फाल्गुन शुक्ल - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 217 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 03-03-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

4 इंडी गठबंधन के कई नेताओं ने महाकुंभ के लिए गलत शब्द का प्रयोग किया

6 पंजाब को नशामुक्त बनाने के राज्य सरकार के दावे खोखले

7 लोगों को सरकार से 'भीख मांगने' की आदत पड़ गई है : पटेल

फर्स्ट टेक

ईरान की संसद ने वित्त मंत्री को बर्खास्त किया

तेहरान/एपी। ईरान की संसद ने रविवार को अपनी मुद्रा रियाल के मूल्य में गिरावट और आर्थिक कुप्रबंधन के आरोपों के बीच देश के वित्त मंत्री के खिलाफ लाए गए महाभियोग प्रस्ताव के पक्ष में मतदान करके उन्हें बर्खास्त कर दिया। संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर कलीबाफ ने कहा कि 273 सांसदों में से 182 ने अब्दुलनासर हिम्मती के खिलाफ मतदान किया। सदन में 290 सीट हैं। मसूद पेजेशकियान की कैबिनेट के पदभार संभालने के छह महीने बाद यह बर्खास्तगी की गई।

इजराइल ने गाजा पट्टी में राहत सामग्री का प्रवेश रोका

तेल अवीव/एपी। इजराइल ने रविवार को गाजा पट्टी में सभी वस्तुओं और रसद का प्रवेश रोक दिया तथा चेतावनी दी कि यदि हमास संघर्ष विराम को बढ़ाने संबंधी नए प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करता है तो उसे ''अतिरिक्त परिणाम'' भुगतने होंगे। हमास ने इजराइल पर संघर्ष विराम समझौते को पटरी से उतारने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सहायता पर रोक संबंधी उसका फैसला ''जबरन वसूली, युद्ध अपराध और समझौते (संघर्ष विराम) पर हमला है।'' यह समझौता जनवरी में हुआ था। इजराइल-हमास के बीच संघर्ष विराम का पहला चरण शनिवार को समाप्त हो गया। इसमें मानवीय सहायता में वृद्धि शामिल थी। दोनों पक्षों के बीच अभी दूसरे चरण पर बातचीत होनी बाकी है, जिसमें इजराइल अपनी सेना वापस बुलाएगा और स्थायी संघर्ष विराम करेगा बदले में हमास कई शेष बंधकों को रिहा करेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि मौजूदा समझौतों के तहत इजराइल पहले चरण के बाद लड़ाई फिर से शुरू कर सकता है, अगर उसे लगता है कि वार्ता अप्रभावी रही। उन्होंने कहा कि संघर्ष विराम तभी जारी रहेगा जब हमास बंधकों को रिहा करना जारी रखेगा।

इमरान खान ने लोकतंत्र और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए वैश्विक मदद मांगी

इस्लामाबाद/भाषा। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय, विशेष रूप से अमेरिका से लोकतंत्र, मानवाधिकारों और क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने की अपील की है। समाचार पत्र 'डॉन' ने बताया कि 'टाइम' पत्रिका में खान के नाम से प्रकाशित एक लेख में नेता ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी ''राजनीतिक वापसी'' के लिए बधाई दी। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका आर्थिक साझेदारी एवं स्थिरता को प्रोत्साहित करने और संघर्ष एवं उग्रवाद को बढ़ावा देने वाली स्थितियों को रोकने के लिए पाकिस्तान के साथ काम करेगा।

03-03-2025 सूर्यास्त 6:28 बजे | 04-03-2025 सूर्योदय 6:33 बजे

BSE	NSE
73,198.10	22,124.70
(-1,414.33)	(-420.35)

सोना	चांदी
8,919 रु.	98,743 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

दोषी कौन ?

गंदा बोले जन प्रतिनिधि यदि,
दोषी जनमत या दल सुजान।
आखिर कब होगा सदनों में,
सच्ची शुचिता का प्रावधान।
कानून खिलौना है सबका,
इसलिए खिलंदड़ सब बयान।
हरदम क्यों दिखता लुंजपुंज,
डेमोक्रेसी में संविधान।।

श्री सोमनाथ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने गृह राज्य गुजरात की तीन दिवसीय यात्रा के दूसरे दिन रविवार को गिर सोमनाथ जिले में स्थित सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और देशवासियों के स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। बाद में मोदी ने प्रभास पाटन स्थित 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम शिव मंदिर में दर्शन किए और प्रार्थना की। मंदिर के दर्शन के बाद मोदी पड़ोसी जूनागढ़ जिले में स्थित सासन के लिए रवाना हुए। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि यह यात्रा उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ के समापन के बाद भगवान सोमनाथ की पूजा करने के उनके संकल्प का हिस्सा थी। उन्होंने कहा, ''प्रयागराज में 'एकता का महाकुंभ' करोड़ों देशवासियों के प्रयासों से संपन्न हुआ। मैंने एक सेवक की तरह मन ही मन संकल्प किया था कि महाकुंभ के बाद मैं 12 ज्योतिर्लिंगों में से प्रथम ज्योतिर्लिंग श्री सोमनाथ की पूजा करूंगा।'' मोदी ने 'एक्स' पर कहा, ''आज सोमनाथ दादा की कृपा से वह संकल्प पूरा हुआ है। मैं सभी देशवासियों की ओर से एकता के महाकुंभ की सफलता को श्री सोमनाथ भगवान के चरणों में समर्पित करता हूं। साथ ही उनके (देशवासियों) स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं।'

अपनी क्षमता से दुनिया को आकर्षित कर रहा भारत : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/एजेन्सी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को कहा कि भारत अब सपेरों का देश नहीं रहा, बल्कि यह पूरी दुनिया को अपनी क्षमता से आकर्षित कर रहा है।

धनखड़ ने रविवार को यहां भारतीय विचारकेन्द्रम की ओर से आयोजित 'लोकतंत्र, जनसांख्यिकी, विकास और भारत का भविष्य' विषय पर चौथे पी. परमेश्वरन स्मारक व्याख्यान में यह बात कही। हाल के दशक में भारत की विकासपरक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, जन-केंद्रित नीतियों और पारदर्शी जवाबदेह शासन के जरिए पारिस्थितिकी तंत्र में उछाल आया है। करीब 1.4 अरब की आबादी वाले देश में ग्रामीण क्षेत्र में आये परिवर्तनकारी बदलाव को देखें। हर घर में शौचालय है, बिजली कनेक्शन है, पानी का कनेक्शन आने वाला है, गैस कनेक्शन है... कनेक्टिविटी, इंटरनेट , सड़क, रेल , स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्र में सहायता करने वाली नीतियां हैं। ये हमारी विकास पथ को परिभाषित करती हैं। यह आर्थिक पुनर्जागरण, जो कुछ वर्ष पहले कल्पना , चिंतन या सपनों से परे था, ने हमारे सनातन धर्म का सार, समावेशिता, गैर-भेदभावपूर्ण और समान विकास के परिणाम सभी के लिए सृजित किये हैं। उन्होंने जोर दिया कि किसी भी योग्यता, जाति, धर्म, जाति, रंग के बावजूद यह प्रयास किया गया है कि लाभ अंतिम पंक्ति में रहने वाले लोगों तक पहुँचना चाहिए और यह बड़ी सफलता के साथ किया जा रहा है।

पी. परमेश्वरन के योगदान को याद करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय मूल्यों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता, भारतीय लोकाचार की उनकी गहरी समझ और राष्ट्रीय एकता के लिए उनका अथक प्रयास पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है। एक आत्मनिर्भर भारत, सांस्कृतिक रूप से निहित और आध्यात्मिक रूप से जागृत भारत के लिए उनका दृष्टिकोण पूरे देश में गहराई से गूंजता है। वह इस सदी में हिंदू विचार प्रक्रिया के विचारकों और विचारकों की अग्रणी पंक्ति में हैं।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया

वामपंथी और उदारवादी हैं हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को आरोप लगाया कि वामपंथी और उदारवादी हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा है। शर्मा ने दावा किया कि मुसलमान या ईसाई कभी भी हिंदुओं के लिए खतरा नहीं हैं बल्कि हिंदुओं को कमजोर करने वाले लोग उनके अपने समाज में ही हैं। उन्होंने यहां एक निजी संगठन के पुरस्कार समारोह कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, ''मेरा मानना है कि वामपंथी और उदारवादी लोग हिंदुओं के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं।''

शर्मा ने कहा, ''पश्चिम बंगाल में हिंदुओं का कमजोर करने की प्रवृत्ति (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री) ममता बनर्जी को वामपंथियों और उदारवादियों से विरासत में मिली है।'' शर्मा ने कहा कि व्यक्ति को यह याद रखना चाहिए कि भारत की सभ्यता 5,000 वर्ष से अधिक पुरानी है और इसकी शुरुआत 1947 में देश की आजादी के साथ नहीं हुई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भारत ''स्वाभाविक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र'' है तथा किसी को भी इसे सहिष्णुता और भाईचारे के गुण सिखाने की जरूरत नहीं है।

इस संबोधन का वीडियो उन्होंने अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया।

असम के मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर राहुल गांधी या ममता बनर्जी सोचती हैं कि हिंदुओं का अस्तित्व खत्म हो जाएगा, तो उन्हें पता होना चाहिए कि हिंदू हमेशा रहेंगे।'' उन्होंने दावा किया, ''असम में हिंदुओं का प्रतिशत घटकर 58 प्रतिशत रह गया है, जबकि पश्चिम बंगाल में हो सकता है कि यह समुदाय घटकर लगभग 65 प्रतिशत रह गया हो।'' उन्होंने कहा कि हिंदू सभ्यता बनी रहेगी और फूलती-फलती रहेगी।

शर्मा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री रहते हुए भारत सभी क्षेत्रों में तरक्की कर रहा है। उन्होंने कहा,''राम मंदिर 500 साल बाद बना है...अब समय आ गया है कि (मौजूदा) वक्फ कानून को खत्म कर दिया जाए।'' उन्होंने कहा कि तीन तलाक को पहले ही समाप्त कर दिया गया है और देश में समान नागरिक संहिता लागू होने के संकेत भी दिखने लगे हैं। उन्होंने दावा किया कि मोदी के सत्ता में आने के बाद भारत का पुनरुत्थान शुरू हुआ, देश ने अर्थव्यवस्था, वित्त से लेकर विज्ञान तक सभी क्षेत्रों में प्रगति की।

शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद पाकिस्तान एक इस्लामिक गणराज्य बन गया, जबकि भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश बना रहा क्योंकि इसकी हजारों साल पुरानी सभ्यता हमेशा इसी तरह से रही है। उन्होंने कहा, ''कई सभ्यताएं आईं और चली गईं, लेकिन हिंदू सभ्यता बरकरार रही।''

राष्ट्रीय शिक्षा नीति हिंदी नहीं थोपेगी, तमिलनाडु का दावा निराधार और राजनीतिक : शिक्षा मंत्री प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिक्षा मंत्री की यह टिप्पणी एनईपी और तीन भाषा नीति के कार्यान्वयन को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र में टकराव के बीच आई है।

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) राज्यों पर हिंदी नहीं थोपेगी और इस संबंध में तमिलनाडु के विरोध के पीछे ''राजनीतिक कारण'' हैं।

प्रधान ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने एनईपी-2020 में कभी नहीं कहा कि केवल हिंदी होगी। हमने केवल यह कहा है कि शिक्षा मातृभाषा पर आधारित होगी, तमिलनाडु में यह तमिल होगी।''

शिक्षा मंत्री की यह टिप्पणी एनईपी और तीन भाषा नीति के कार्यान्वयन को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र में टकराव के बीच आई है। प्रधान ने कहा, ''मैं कुछ लोगों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का जवाब नहीं देना चाहता। एनईपी-2020 भारत की विभिन्न भाषाओं पर केंद्रित है, चाहे वह हिंदी हो, तमिल हो, उड़िया हो या पंजाबी। सभी भाषाओं का समान महत्व है। तमिलनाडु में कुछ लोग राजनीति के कारण इसका विरोध कर रहे हैं।''

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को कहा था कि कृत्रिम मेधा (एआई) के युग में स्कूलों में किसी भी भाषा को तीसरी भाषा के रूप में लागू करना अनावश्यक है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, ''उन्नत अनुवाद तकनीक पहले ही भाषा संबंधी बाधाओं को तुरंत दूर कर देती है। छात्रों पर अतिरिक्त भाषाओं का बोझ नहीं डाला जाना चाहिए।''

'ब्लू घोस्ट' चंद्रमा की सतह पर उतरा

केप केनवरल/एपी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के लिए ड्रिल, वैक्यूम और अन्य प्रयोग उपकरणों के साथ एक निजी कंपनी का 'लैंडर' रविवार को चंद्रमा की सतह पर उतरा। फायरफ्लाई एयरोस्पेस का 'ब्लू घोस्ट' लैंडर चंद्रमा की कक्षा से उसकी सतह पर उतरा। फायरफ्लाई के मुख्य इंजीनियर विल कूगन ने कहा, ''लैंडिंग में सफलता प्राप्त की। हम चांद पर हैं।'' टेक्सास स्थित कंपनी फायरफ्लाई एयरोस्पेस ने इस अंतरिक्ष यान को विकसित किया है। एक दशक पहले स्थापित स्टार्टअप फायरफ्लाई को एक सहज, सीधी लैंडिंग ने ऐसा पहला निजी संगठन बना दिया है, जिसने अंतरिक्ष यान को चंद्रमा पर उतारा है। केवल पांच देशों रूस, अमेरिका, चीन, भारत और जापान ने ही ऐसी सफलता मिलने का अब तक दावा किया है।

आगामी उद्देश्यों को लेकर कांग्रेस के नेता एकजुट हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि केरल में पार्टी के नेता आगामी उद्देश्यों के मद्देनजर एकजुट हैं। गांधी का यह बयान शुक्रवार को कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा केरल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले रणनीति को लेकर चर्चा के लिए 'इंदिरा भवन' में दक्षिणी राज्य के नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद आया है। बैठक के बाद केरल के नेताओं द्वारा मीडिया को दी गई जानकारी की तस्वीर पोस्ट करते हुए गांधी ने फेसबुक पर लिखा, वे एक साथ खड़े हैं, आगे के उद्देश्यों के मद्देनजर एकजुट हैं। उनकी पोस्ट के साथ हैशटैग टीम केरल भी था।

यहां कांग्रेस के मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में करीब तीन घंटे तक चली बैठक का मुख्य विषय अनुशासन, एकता और राज्य संगठन को मजबूत करना था। सूत्रों के अनुसार, बैठक में गांधी ने कहा कि नेताओं को राजनीतिक रणनीति के बारे में बहुत सावधान रहना चाहिए और ऐसा कुछ भी नहीं करना या कहना चाहिए जो पार्टी लाइन के अनुरूप न हो।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अनुशासन, एकता सुनिश्चित करने और पार्टी की केरल इकाई को मजबूत करने के लिए रिक्त पदों को भरने पर जोर दिया था। खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ पार्टी के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, महासचिव और वायनाड से लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाद्रा, प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. सुधाकरन, लोकसभा सदस्य शशि थरूर और प्रदेश के कई अन्य वरिष्ठ नेता बैठक में शामिल थे।

चक्रवर्ती की शानदार गेंदबाजी से भारत ने न्यूजीलैंड को हराया

दुबई/भाषा। केन विलियमसन ने 81 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली लेकिन वरुण चक्रवर्ती (42 रन पर पांच विकेट) की फिरकी के जादू से भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी के मैच में न्यूजीलैंड को रविवार को यहां 44 रन से हराकर ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया।

भारत और न्यूजीलैंड की टीमें पहले ही सेमीफाइनल में पहुंच चुकी थी लेकिन भारत की इस जीत से सेमीफाइनल का कार्यक्रम तय हो गया। भारत के सामने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया जबकि न्यूजीलैंड के सामने बुधवार को दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी।

भारत ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर श्रेयस अय्यर (79) की अर्धशतकीय पारी की मदद से नौ विकेट पर 249 रन बनाने के बाद न्यूजीलैंड को 45.3 ओवर में 205 रन पर आउट कर दिया। न्यूजीलैंड के लिए विलियमसन ने 120 गेंद में 81 रन की संघर्षपूर्ण पारी खेली लेकिन दूसरे छोर से उन्हें तेजी से रन बनाने वाले बल्लेबाज का साथ नहीं मिला।

चक्रवर्ती की फिरकी का न्यूजीलैंड के बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नहीं था। वह चैंपियंस ट्रॉफी में रविंद्र जडेजा (2013) और मोहम्मद शमी (2025) के बाद पांच विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज है। कुलदीप यादव को दो सफलता मिली जबकि हार्दिक पंड्या, रविंद्र जडेजा और अक्षर पटेल ने एक-एक विकेट चटकाये।

ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन युद्ध विराम योजना पर सहमत हुए

रूस-यूक्रेन युद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन/एपी। ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन एक युद्धविराम योजना पर काम करने के लिए सहमत हो गए हैं, जिसे अमेरिका के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। ब्रिटिश प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने यह जानकारी दी। स्टॉर्मर ने कहा कि यह योजना चार देशों के नेताओं के बीच बातचीत के बाद सामने आई है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 'ओवल ऑफिस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का कार्यालय) में हुई तीखी बहस के एक दिन बाद यह योजना सामने आई है।

प्रधानमंत्री ने 'बीबीसी' को बताया कि उनका मानना है कि अमेरिकी राष्ट्रपति यूक्रेन में स्थायी शांति चाहते हैं। उन्होंने अपना यह दावा दोहराया कि इसे कायम रखने के लिए अमेरिकी सुरक्षा गारंटी की आवश्यकता होगी।

स्टॉर्मर यूक्रेन पर चर्चा के लिए रविवार को लंदन में यूरोपीय नेताओं के शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहे हैं। यह यूक्रेन में शांति की संभावना को आगे बढ़ाने वाले एक सप्ताह तक चले कूटनीति प्रयासों का दौर था।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टॉर्मर ने कहा कि वह यूक्रेन और रूस के बीच युद्ध को समाप्त करने के लिए दृढ़ संकल्प हैं। स्टॉर्मर ने कहा, हमारे पास यूक्रेन में न्यायपूर्ण और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए एक साथ आने का अवसर है, जो उनकी संप्रभुता और सुरक्षा को सुनिश्चित करेगा।

ट्रम्प प्रशासन ज़ेलेंस्की से चाहता है सार्वजनिक माफ़ी

मॉस्को/एजेन्सी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का प्रशासन व्हाइट हाउस में एक बैठक के दौरान हुए विवाद के बाद उक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की से सार्वजनिक माफी चाहता है। ब्लूमबर्ग ने एक अज्ञात यूरोपीय अधिकारी के हवाले से यह खबर दी है।

वॉशिंगटन में शुक्रवार को ट्रम्प और जेलेंस्की के बीच मुलाकात हुई और बाद में यह तकरार में बदल गई।

'फॉक्स' न्यूज़ के अनुसार बैठक में दोनों देशों के राष्ट्रपतियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई थी, जिसमें ट्रम्प ने जेलेंस्की पर आरोप लगाया था कि वह रूस के साथ शांति वार्ता में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इस पर यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा था कि यूक्रेन को रूस के साथ शांति वार्ता में सहयोग करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता।

मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया, ट्रम्प ने गरमा-गरम बहस के बाद ज़ेलेंस्की को बाहर निकाल दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने जेलेंस्की के रवैये से अपमानित महसूस किया था। इसके बाद दोनों देशों के बीच दुर्लभ पृथ्वी धातुओं पर एक समझौते पर हस्ताक्षर रद्द कर दिया गया।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने 'सीएनएन' के साथ एक साक्षात्कार में यूक्रेन के राष्ट्रपति से ट्रम्प के साथ अपनी बैठक के बाद माफी मांगने का आग्रह किया है।

किसानों को पांच रुपए में मिलेगा स्थायी बिजली कनेक्शन : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रविवार को घोषणा की कि किसानों को मात्र पांच रुपए में स्थायी बिजली कनेक्शन दिया जाएगा।

किसानों को यहां संबोधित करते हुए यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश केंद्रीय विद्युत वितरण कंपनी जल्द ही इस योजना को शुरू करेगी। उन्होंने कहा, ''जिन किसानों के पास स्थायी बिजली कनेक्शन नहीं है, उन्हें पांच रुपए में यह सुविधा दी जाएगी। हम किसानों का जीवन बेहतर बनाना चाहते हैं।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार सिंचाई के लिए सौर पंप के माध्यम से किसानों को बिजली संबंधी परेशानियों से मुक्ति दिलाना चाहती है। उन्होंने कहा, ''अगले तीन वर्षों में किसानों को 30 लाख सौर सिंचाई पंप उपलब्ध कराए जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि सरकार किसानों से सौर विद्युत खरीदेगी। उन्होंने दावा किया कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तो गांवों में उचित बुनियादी ढांचा, बिजली और सड़कें नहीं थीं, लेकिन भाजपा शासन में स्थिति में सुधार हुआ है।

कोकीन के 100 कैप्सूल की तस्करी, ब्राजील की महिला गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने मुंबई में मादक पदार्थ की तस्करी करने के इरादे से 10.96 करोड़ रु. मूल्य की कोकीन के 100 कैप्सूल निगलने के मामले में ब्राजील की महिला को गिरफ्तार किया है। डीआरआई ने विज्ञप्ति में बताया कि अधिकारियों ने साओ पाउलो से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंची महिला को विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ करने पर उसने भारत में तस्करी के लिए कोकीन के कैप्सूल निगलने की बात स्वीकार की। महिला को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके पेट से 1,096 ग्राम कोकीन युक्त 100 कैप्सूल निकाले गए जिनकी अवैध बाजार में कीमत 10.96 करोड़ रुपए है।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान : बेंगलूरु के विजयनगर वर्धमान स्थानकवासी जैन युवा संघ के सदस्यों ने ऑल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कॉन्फ्रेन्स नई दिल्ली के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किए जाने पर पुखराज मेहता से मुलाकात कर सम्मान किया। पुखराज मेहता ने जैन कांफ्रेंस में कन्हैयालाल सुराणा को राष्ट्रीय मंत्री, दिनेश पोरवाड़ को प्रांतीय मंत्री, सुनील लोढ़ा को राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, शंकर दक को प्रांतीय संगठन मंत्री मनोनीत किए जाने शुभकामनाएं दी। विजयनगर संघ के उपाध्यक्ष गौतम दक, सहमंत्री रवि जैन, कार्यकारिणी पारस मेहता, युवा उपाध्यक्ष मुकेश भंडारी, सहमंत्री हितेश पगारिया, कोषाध्यक्ष सुनील सामरा, युवा मंत्री महावीर गुगलिया आदि ने सभी नए पदाधिकारियों का सम्मान किया।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के जैन युवा संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत के नेतृत्व में मंत्री नीरज कटारिया, सहमंत्री सुश्रुत चेलावत, सेवा ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष कमल पुनमिया, सज्जनराज मेहता, अतिथि आमंत्रण समिति चेयरमैन मोती गोटावत, सह चेयरमैन दीपक धोखा, मनोज नन्दावत ने बेंगलूरु मध्य से सांसद पी सी मोहन से मुलाकात कर उन्हें 10 अप्रैल को आयोजित श्रमण भगवान महावीर स्वामी के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव में विशेष अतिथि के रुप में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। सदस्यों ने सांसद को संगठन की गतिविधियों व योजनाओं की जानकारी दी। सांसद पी सी मोहन ने संगठन के कार्यों की प्रशांसा की तथा कार्यक्रम में शामिल होने का आश्वासन दिया।

पंजाब में गैंगस्टर, अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं, उनका सफाया किया जाएगा : मुख्यमंत्री मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होशियारपुर/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने रविवार को कहा कि गैंगस्टर, तस्करों, अपराधियों और अन्य असामाजिक तत्वों के लिए राज्य में कोई जगह नहीं है और जल्द ही उनका सफाया कर दिया जाएगा।

मान ने 2,490 पुलिसकर्मियों की पासिंग आउट परेड के दौरान यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस पवित्र भूमि ने साधु-संतों, शहीदों, महान खिलाड़ियों और नायकों को जन्म दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हालांकि तस्करों, गैंगस्टर और अन्य अपराधियों ने दुर्भाग्यवश पिछली सरकारों के कथित संरक्षण में इस राज्य को अपना ठिकाना बना लिया। मान ने कहा कि राज्य सरकार ने अब इन राष्ट्रविरोधी तत्वों को बाहर निकालने के लिए ''धर्मयुद्ध'' शुरू कर दिया है, और वे जल्द ही सलाखों के पीछे होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब एक ऐतिहासिक मोड़ पर है क्योंकि उनकी सरकार ने राज्य में मादक पदार्थ के खिलाफ निर्णायक युद्ध शुरू किया है।

मान ने कहा कि राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति अपनाई है और जनता के सक्रिय समर्थन व सहयोग से पंजाब को पूरी तरह नशा मुक्त बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों की आपूर्ति लाइन को तोड़ा जा रहा है, नशा तस्करों को सलाखों के पीछे डाला जा रहा है और नशा तस्करों की संपत्ति जब्त की जा रही है या उसे नष्ट किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोधी ताकतें सीमावर्ती राज्य में कड़ी मेहनत से अर्जित शांति को भंग करने के लिए नापाक मंसूबे बना रही हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस ने हमेशा ऐसे प्रयासों को विफल किया है। मान ने कहा कि राज्य के सामने आने वाली प्रमुख चुनौतियों से निपटने के लिए जांच, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पुलिस बल को आवश्यकताओं के अनुसार अपडेट करना जरूरी है। नए पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है क्योंकि वे पंजाब पुलिस परिवार का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। मान ने नवनियुक्त पुलिस कर्मियों से राज्य से नशे की बुराई को खत्म करने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 2022 से अब तक पुलिस बल में 10,000 से अधिक युवाओं की नियुक्ति की जा चुकी है। मान ने कहा कि राज्य सरकार ने 10,000 नए पुलिस कर्मियों की भर्ती करने का भी फैसला किया है, जिसके लिए जल्द ही मंत्रिमंडल द्वारा आवश्यक मंजूरी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों पर सुरक्षा बढ़ाने तथा बहुमूल्य जीवन बचाने के लिए 'सड़क सुरक्षा फोर्स' का गठन किया गया है। मान ने कहा कि इस बल को यातायात दुर्घटनाओं की दृष्टि से संवेदनशील 4,200 किलोमीटर राजमार्गों पर तैनात किया गया है। उन्होंने कहा कि वे गश्त के अलावा यातायात उल्लंघनों को रोकने का काम भी करते हैं।

समय रहते हुए धर्म करने से सुनिश्चित होती है सुगति : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होसूर। होसूर से कोयम्बटूर की ओर विहार करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने प्रवचन करते हुए कहा कि संसार चार प्रकार के है, द्रव्य संसार, क्षेत्र संसार, काल संसार व भाय संस्कार। एक गति से दूसरी गति में भ्रमण व पुनर्भ्रमण का नाम है संसार। मुनिश्री ने कहा कि चार प्रकार के संसार में सबसे ज्यादा खतरनाक है भाव संसार। भाव के आधार पर ही हमारी गति व सुगति निश्चित होती है। कभी हमारे मन में किसी के प्रति अच्छे भाव आते है तो कभी बुरे भाव आते हैं। हमारी हर समय विचारधारा बदलती रहती है। केवलज्ञानी का संसार पारित होने का कारण है उनका भाव संसार खत्म हो गया और भव संसार भी खत्म हो गया। भाव व्यक्ति की छाया की तरह हर समय साथ में चलते हैं।

मुनिश्री ने कहा कि जब तक व्यक्ति के पास सम्पत्ति है, सत्ता, सामग्री है, तब तक जो करना है कर लो। बाद में करेंगे वाले आज भी आंसू बहा रहे हैं। समय है तब तक धर्म कर लो, पाप का उदय आने के बाद डोर हमारे हाथ से निकल जाएगी तब रोगों का आक्रमण व विपत्तियों के पहाड़ टूटेंगे और हम चाहते हुए भी कुछ नहीं कर पाएंगे।

मुनिश्री शालिभद्रजी ने कहा कि आज ज्ञानी तो बहुत है पर सम्यक ज्ञान का अभाव है। आज शिक्षा तो बढ़ी है पर उतना ही अविनय का भाव बढ़ता जा रहा है। आज भौतिकता का तो प्रचार प्रसार है पर आध्यात्म जीवन से रिसता जा रहा है। हमें पढ़े तो बहुत है पर सहृदयता, सहजता, समरतसा, शालीनता, प्रेमपूर्ण व्यवहार खत्म होता जा रहा है। हम हमारी कार्यशैली से हजारों घर व समाज को तोड़ने में अपना सहयोग दे रहे है जो बहुत बुरी बात है। हम अच्छा परोसे, उन्होंने कहा कि कोई भी अच्छे रास्ते पर गति करता है उसका समर्थन करो।

भारतीयों को 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए: कांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि भारतीयों को 2047 तक 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

काम के घंटों पर चल रही बहस में शामिल होते हुए भारत के जी-20 शेरपा ने कहा कि जापान, दक्षिण कोरिया और चीन ने मजबूत कार्य नीति के जरिए आर्थिक सफलता हासिल की है। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को विश्व स्तरीय अर्थव्यवस्था बनाने के लिए इसी तरह की मानसिकता विकसित करनी चाहिए। कांत ने बिजनेस स्टैंडर्ड के 'मंथन शिखर सम्मेलन' में कहा, ''मैं कड़ी मेहनत में दृढ़ता से विश्वास करता हूं। भारतीयों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए, चाहे वह सप्ताह में 80 घंटे हों या 90 घंटे। अगर आपकी महत्वाकांक्षा 4,000 अरब डॉलर से 30,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की है, तो आप इसे मनोरंजन या कुछ फिल्मी सितारों के विचारों का अनुसरण करके नहीं हासिल कर सकते।'' इस समय भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 4,000 अरब डॉलर का है। उन्होंने कहा, ''कड़ी मेहनत न करने की बात करना फैशन बन गया है। भारत को समय से पहले, विश्व स्तरीय उत्कृष्टता के साथ परियोजनाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।'' कांत ने कहा कि अनुशासित कार्य योजना के भीतर व्यक्तिगत भलाई के लिए पर्याप्त समय है। भारतीयों को समय और लागत में वृद्धि के बिना विश्व स्तरीय उत्कृष्टता के साथ परियोजनाओं को पूरा करने की कला सीखनी चाहिए।

पंजाब के फिरोजपुर में मादक पदार्थ तस्कर गिरफ्तार, हेरोइन बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फिरोजपुर/भाषा। पंजाब के फिरोजपुर में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद रविवार को एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया, जिसके पास से दो किलोग्राम से अधिक हेरोइन बरामद हुई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक भूपिंदर सिंह ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस ने फरीदकोट रोड पर अभियान चलाया और वहां जब बलजिंदर सिंह को कार रोकने का इशारा किया गया तो उसने पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश की।

अधिकारियों के अनुसार, पुलिसकर्मियों ने उसका पीछा किया और इस दौरान बलजिंदर ने उन पर गोली चला दी।

पुलिस द्वारा जवाबी गोलीबारी की गई जिसमें आरोपी घायल हो गया। उसे उपचार के लिए फरीदकोट के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपी बलजिंदर सिंह के पास से 2.11 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है।

'कीट विश्वविद्यालय परिसर में शांति, स्थिरता और शैक्षणिक निरंतरता का माहौल है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विश्वविद्यालय ने दी पूरी घटना की जानकारी व स्पष्टीकरण

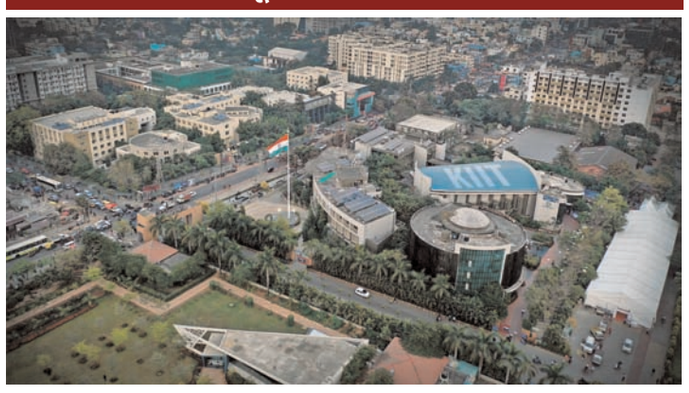

भुवनेश्वर। गत 16 फरवरी की रात कीट विश्वविद्यालय में घटी दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने संस्थान, वहां पढ़ रहे विद्यार्थियों और संस्थान से जुड़े सभी कर्मचारियों को खासा प्रभावित किया है। हालांकि, इस दुर्घटना के बीच न केवल इसमें शामिल भावनाओं को स्वीकार करना बल्कि सच्चाई की तलाश करना और किसी भी तरह के नुकसान को रोकने के लिए शांति व स्थिरता बहाल करने की दिशा में काम करना भी आवश्यक है।

इस दुर्भाग्यपूर्ण और अप्रत्याशित घटना में, विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में एक नेपाली छात्रा ने आत्महत्या कर ली। कीट ने गहन जांच सुनिश्चित करने के लिए तुरंत मामले को पुलिस को सौंप दिया। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि उसका कीट के एक छात्र से प्रेम संबंध था और उनके बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ और लड़की ने यह कठोर कदम उठाया। कीट विश्वविद्यालय के अधिकारियों और पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया के कारण, घटना के बाद भाग रहे लड़के को तुरंत हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया गया फिलहाल वह जेल में है। घटना के जवाब में, कीट में पढ़ रहे हजारो के तादात नेपाली छात्रऔर छात्रा, विरोध प्रदर्शन करने के लिए मुख्य सड़क पर उतरे। आग में घी डालने का काम सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों ने किया और स्थिति बिगड़ती चली गई, जिससे उनका आंदोलन और तीव्र हो गया। कीट प्रशासन ने मामले को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने के प्रयास लगातार 10 घंटे से अधिक समय तक करते रहे, साथ ही काउंसलिंग और चर्चाओं का कई दौर भी चला। अथक प्रयासों के बावजूद, कुछ प्रदर्शन कर रहे विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय अधिकारियों की बात नहीं सुनी और कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती पेश करते हुए व्यवधान पैदा करना जारी रखा। किसी युवा की जान जाना हमेशा दुखद होता है, लेकिन कीट विश्वविद्यालय में स्थिति कुछ कर्मचारियों द्वारा उसे प्रभावी ढंग से न निपट पाने की वजह से गंभीर हो गई। आम तौर पर विद्यार्थियों के असंतोष को संभालना स्वाभाविक रूप से कठिन है और एक बार जब भावनाएं भड़क जाती हैं, तो सामान्य व्यवस्था बहाल करना एक बड़ी चुनौती बन जाती है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में ठीक यही हुआ। अशांति के बीच, कीट के नेतृत्व ने भुवनेश्वर पुलिस के साथ समन्वय स्थापित कर स्थिति को और अधिक बिगड़ने से रोकने के लिए तेजी से और जिम्मेदारी से काम किया। सख्त रुख अपनाते हुए, विश्वविद्यालय ने कुछ नेपाली छात्रों के साथ ज्यादती करने में शामिल कर्मचारियों की पहचान की और उन्हें तुरंत सेवा से निवृत कर दिया। इन कर्मचारियों में वरिष्ठ पदों पर बैठे लोग भी शामिल हैं।

किसी भी अप्रिय घटना को रोकने और एक सुचारू और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए, नेपाली विद्यार्थियों को स्थानीय जांच पूरी होने तक स्थानीय अभिभावकों की मदद से स्वेच्छा से अपने-अपने स्थानों पर लौटने की सलाह दी गई। यह कदम पूरी तरह शांति बनाए रखने और न्याय सुनिश्चित करने के हित में उठाया गया था। हालांकि, सरकार सहित विभिन्न हलकों से मिली सलाह के अनुसार, उनकी शैक्षणिक कक्षाओं और छात्रावासों का अस्थायी निलंबन वापस ले लिया गया। परिसर छोड़ने वाले छात्रों से अपील की गई कि वे परिसर में वापस आएं और सामान्य शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लें।

इस मामले में कीट ने अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोड़ा है। संस्था के संस्थापक ने नेपाली दूतावास के अधिकारियों की मौजूदगी में नेपाली छात्रों की चिंताओं को व्यक्तिगत रूप से संबोधित किया और प्रकृति लामसाल के परिवार ने सार्वजनिक रूप से चल रहे सरकारी प्रयासों और विश्वविद्यालय के सहयोग को स्वीकार किया है। इसके अतिरिक्त, विदेश मंत्रालय ने व्यवस्था बहाल करने और न्याय पाने के लिए सक्रिय रूप से कूटनीतिक प्रयासों में भाग लिया है। इस बीच, कीट द्वारा की गई कार्रवाई और उनकी सुरक्षा के लिए किए गए इंतजामों से संतुष्ट होकर 400 से अधिक नेपाली विद्यार्थी पहले ही परिसर में वापस आ चुके हैं। जबकि कीट के कुलपति और रजिस्ट्रार ने सार्वजनिक रूप से माफीनामा जारी किया है, लेकिन जो बात सबसे ज्यादा चिंताजनक है, वह है कीट, कीस के संस्थापक के खिलाफ जारी नकारात्मक अभियान।

सच्चाई यह है कि कीट और कीस को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक प्रभाव के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। इन संस्थानों ने न केवल ओडिशा, बल्कि भारत को विश्व मंच पर अपार प्रतिष्ठा दिलाई है। कुछ उल्लेखनीय उपलब्धियों में शामिल हैं जैसे 20 शिखर सम्मेलन के दौरान यूथ 20 कार्यक्रम की मेजबानी करना, जहाँ 25 देशों के 25 संसद सदस्यों का स्वागत किया गया। कीट और कीस को यूनेस्को के साथ विशेष परामर्शदात्री दर्जा प्राप्त है, जो भारत में संस्थानों के लिए एक दुर्लभ सम्मान है। कीट और कीस को 100 से अधिक राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों के माध्यम से मान्यता दी गई है, जो उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों और मानवीय योगदान को उजागर करते हैं।

परिसर में स्थिति सामान्य होने के बाद भी, कीट, कीस और इसके संस्थापक पर चल रहे हमले विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचाने से कहीं अधिक हैं, वे ओडिशा की प्रतिष्ठा को कमज़ोर करते हैं। कीट और कीस को हमेशा वैश्विक सहयोग और साझेदारी के आकर्षण के लिए एक अनुकरणीय मॉडल के रूप में माना जाता है। यह स्पष्ट हो गया है कि चल रहे बदनामी अभियान को व्यक्तिगत या पेशेवर एजेंडे वाले व्यक्तियों के एक छोटे समूह द्वारा बढ़ावा दिया जा रहा है। यह अब न्याय का मामला नहीं है-यह कीट, कीस और इसके संस्थापक की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का एक जानबूझकर किया गया प्रयास है। यदि यह अभियान अनियंत्रित रूप से जारी रहता है, तो यह न केवल विश्वविद्यालय को नुकसान पहुंचा सकता है, बल्कि व्यापक आर्थिक विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को भी नुकसान पहुंचा सकता है जो ओडिशा के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं।

नकारात्मकता को बढ़ावा देने के बजाय, सभी को संस्थान का समर्थन करने, इसके जिम्मेदार कार्यों को स्वीकार करने और सुधार की दिशा में मिलकर काम करने का समय आ गया है। कीट ने इस मामले में पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ काम किया है और स्थिति को संबोधित करने में नेतृत्व का प्रदर्शन किया है। सबसे निराशाजनक बात संस्थापक के साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार है, जिनका पूरा जीवन शिक्षा और सामाजिक कल्याण के माध्यम से समाज की बेहतरी के लिए समर्पित रहा है।

भारत की लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने की योजना में सीडब्ल्यूसी की भूमिका अहमः प्रल्हाद जोशी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार का लक्ष्य लॉजिस्टिक लागत को वर्तमान 13-14 प्रतिशत से घटाकर वैश्विक मानकों के अनुसार लगभग आठ प्रतिशत तक लाना है, तथा केन्द्रीय भंडारण निगम (सीडब्ल्यूसी) इस राष्ट्रव्यापी परिवर्तन प्रयास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

खाद्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने सीडब्ल्यूसी के 69वें स्थापना दिवस को संबोधित करते हुए कहा, राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और पीएम गति शक्ति कार्यक्रम के शुभारंभ के साथ हमारा लक्ष्य लॉजिस्टिक्स लागत को मौजूदा 13-14 प्रतिशत से घटाकर वैश्विक मानकों के अनुसार लगभग आठ प्रतिशत तक लाना है।

उन्होंने कहा, एक अग्रणी भंडारण संगठन के रूप में सीडब्ल्यूसी आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास और दक्षता वृद्धि के माध्यम से इन उद्देश्यों का समर्थन करने के लिए तैयार है।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 1957 में स्थापित सीडब्ल्यूसी 700 से अधिक गोदामों के व्यापक नेटवर्क और 148.29 लाख टन की परिचालन भंडारण क्षमता के साथ एक गतिशील लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता के रूप में विकसित हुआ है।

शेयर बाजार 'धोखाधड़ी' मामले में पूर्व सेबी प्रमुख बुच, पांच अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश

मुंबई/भाषा। एक विशेष अदालत ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को शेयर बाजार में कथित धोखाधड़ी और विनियामकीय उल्लंघन के संबंध में शेयर बाजार नियामक सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और पांच अन्य अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया है। मुंबई स्थित विशेष एसीबी अदालत के न्यायाधीश शशिकांत एकनाथराव बांगर ने शनिवार को पारित आदेश में कहा, प्रथम दृष्टया विनियामकीय चूक और मिलीभगत के सबूत हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच की आवश्यकता है। अदालत ने कहा कि वह जांच की निगरानी करेगा और 30 दिनों के भीतर (मामले की) स्थिति रिपोर्ट मांगी गई है।

अदालत ने आदेश में कहा है कि आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, जिसके लिए जांच जरूरी है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों और सेबी की निष्क्रियता के कारण सीआरपीसी के प्रावधानों के तहत न्यायिक हस्तक्षेप की जरूरत है। बुच के अलावा जिन अन्य अधिकारियों के खिलाफ अदालत ने एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है, उनमें बीएसई के प्रबंध निदेशक व सीईओ सुंदररामन राममूर्ति, इसके तत्कालीन चेयरमैन व जनहित निदेशक प्रमोद अग्रवाल व सेबी के तीन पूर्णकालिक सदस्य अश्विनी भाटिया, अनंत नारायण जी और कमलेश चंद्र वार्ष्णेय शामिल हैं। शिकायतकर्ता सपन श्रीवास्तव, ने कथित अपराधों की जांच की मांग की थी, जिसमें बड़े पैमाने पर वित्तीय धोखाधड़ी, विनियामक उल्लंघन और भ्रष्टाचार शामिल है। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि सेबी के अधिकारी वैधानिक कर्तव्य में विफल रहे, बाजार में हेरफेर को बढ़ावा दिया, निर्धारित मानदंडों को पूरा नहीं करने वाली कंपनी को सूचीबद्ध करने की अनुमति देकर कॉरपोरेट धोखाधड़ी के लिए रास्ता खोला।

डीके शिवकुमार ने सद्गुरु के कार्यक्रम में शामिल होने का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/उडुप्पी। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस के एक वर्ग की आलोचना के बीच उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने महाशिवरात्रि समारोह के लिए तमिलनाडु में सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा योग केंद्र की अपनी यात्रा का रविवार को पुरजोर बचाव किया और कहा कि यह उनकी निजी आस्था है। कांग्रेस की प्रदेश इकाई के प्रमुख शिवकुमार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं द्वारा आगामी दिनों में राज्य में तेजी से राजनीतिक घटनाक्रम बदलने के दावों को ''फर्जी'' करार देते हुए कहा कि भाजपा के कई नेता और विधायक उनकी पार्टी के संपर्क में हैं।

शिवकुमार ने एक सवाल पर कहा, ''सद्गुरु कर्नाटक से हैं। वह कावेरी जल और मिट्टी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वह निजी रूप से आए और मुझे आमंत्रित किया। उनके बहुत से अनुयायी हैं और वह बेहतरीन काम कर रहे हैं...विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक और नेता कार्यक्रम में मौजूद थे। मैं वहां गया था। यह मेरी निजी आस्था है।''

रविवार को उडुप्पी जिले के कापू में ऐतिहासिक श्री होसामारीगुडी मंदिर के ब्रह्म कलशोत्सव कार्यक्रम में भाग लेते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार।

पत्रकारों से बातचीत में शिवकुमार ने कहा, ''मैं सभी धर्मों, सभी जातियों में विश्वास करता हूं। कांग्रेस की विचारधारा समाज में सभी को साथ लेकर चलने की है। मैं कोई भेदभाव नहीं करता। कुछ लोगों को यह पसंद आ सकता है, कुछ को नहीं।'' बुधवार को शिवरात्रि कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सद्गुरु जग्गी वासुदेव के साथ शिवकुमार के मंच साझा करने से कांग्रेस नेताओं के एक वर्ग में कुछ बेचैनी पैदा हो गई है, जिन्हें लगता है कि वह भाजपा की विचारधारा के करीब जा रहे हैं।

सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना ने शिवकुमार द्वारा उन लोगों के साथ मंच साझा करने पर शनिवार को सवाल उठाया जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करते रहे हैं। आलोचनाओं, खासकर राजन्ना द्वारा की गई आलोचना के बारे में पूछे गए सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं उनमें से किसी का भी जवाब नहीं देना चाहता। मैं उनसे बात करूंगा।'' स्थिति का राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश करते हुए भाजपा नेताओं ने शिवकुमार की तुलना महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से करते हुए सत्तारूढ़ कांग्रेस पर कटाक्ष किया और राज्य में ''तेज गति'' से राजनीतिक घटनाक्रम बदलने का अनुमान जताया। महाराष्ट्र में महा विकास आघाड़ी गठबंधन सरकार 2022 में शिवसेना में विभाजन के बाद गिर गई जिसमें एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विधायकों ने अलग होकर भाजपा से हाथ मिला लिया।

भाजपा नेताओं द्वारा आगामी दिनों में राज्य में राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदलने का अनुमान लगाए जाने पर शिवकुमार ने कहा, ''यह सब बकवास है। पहले भाजपा को अपने यहां चीजें ठीक करने पर ध्यान देना चाहिए।'' शिवकुमार ने कहा, जैसा कि मेरे कुछ मंत्रियों ने कहा है, भाजपा के कई विधायक हमसे संपर्क करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे मंत्री ने पहले ही इसका खुलासा कर दिया है, मैं इस पर चर्चा नहीं करना चाहता। यह (भाजपा) एक टूटा हुआ घर है, जबकि कांग्रेस एक एकजुट घर है।

एक सवाल पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस पार्टी प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी परिसीमन कवायद का पूरी तरह से विरोध करती है। उन्होंने कहा, वे (भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार) दक्षिण में हमारी संख्या (लोकसभा सीटों की संख्या) कम करने की कोशिश कर रहे हैं। हम एकजुट हैं, हम एकजुट होकर लड़ेंगे। बाद में उडुपी में पत्रकारों से बातचीत में शिवकुमार ने कहा कि इन दिनों किसी भी मंदिर में उनका जाना या किसी समुदाय के पक्ष में भाषण देना बहस को जन्म दे देता है। उन्होंने एक सवाल पर कहा, अगर मैं किसी मंदिर में जाता हूं या किसी समुदाय के बारे में बोलता हूं तो इससे बहस शुरू हो जाती है...मैं कुंभ मेले में गया था। क्या पानी की कोई जाति, धर्म या पार्टी होती है?... मैंने वहां से आने के बाद यहां टी नरसिपुरा में नदियों के संगम पर भी मेले में भाग लिया था। क्या गलत है? किसी तरह की अटकल की जरूरत नहीं है...।

मैं कांग्रेस का वफादार कार्यकर्ता हूं : शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उडुप्पी। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि वह कांग्रेस के वफादार कार्यकर्ता हैं तथा पार्टी और गांधी परिवार के प्रति कोई उनकी निष्ठा पर सवाल उठाता है तो वह भ्रम में है। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी राज्य में 2028 के विधानसभा चुनावों में सत्ता में वापस आएगी। शिवकुमार हाल में दिल्ली में पार्टी के केंद्रीय नेताओं के साथ हुई अपनी बैठक और इस वर्ष के अंत में मुख्यमंत्री पद पर बदलाव के संबंध में राजनीतिक हलकों, विशेषकर सत्तारूढ़ पार्टी में चर्चाओं के बारे में अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे।

शिवकुमार ने कहा, ''मैंने कोई शर्त नहीं रखी है और कोई शर्त रखने की जरूरत भी नहीं है। मैं एक कार्यकर्ता हूं, पार्टी जो कहती है, मैं उसके अनुसार काम करता हूं। शर्तें रखना या ब्लैकमेल करना मेरे खून में नहीं है। मैं कांग्रेस का वफादार कार्यकर्ता हूं।'' शिवकुमार ने यह बात उनकी दिल्ली यात्रा और पार्टी नेताओं पर कुछ शर्तें रखने की अटकलों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कही।

यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, अगर कोई भी, चाहे वह किसी भी पार्टी से हो, कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार के प्रति मेरी निष्ठा पर सवाल उठाता है, तो यह उसका भ्रम है। यह पूछे जाने पर कि क्या ढाई साल के सत्ता बंटवारे के फॉर्मूले' के बारे में अटकलें झूठी हैं, शिवकुमार ने केवल इतना कहा, मैं केवल 2028 में ही इस पर कह सकता हूं। कांग्रेस पार्टी सत्ता में वापस आएगी। कांग्रेस के प्रदेश प्रमुख शिवकुमार मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार हैं और उन्होंने इस पद को लेकर अपनी महत्वाकांक्षा को किसी से छुपाया नहीं है। मई 2023 में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा थी तथा कांग्रेस शिवकुमार को मनाने में कामयाब रही एवं उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया। उस समय कुछ खबरें आई थीं कि समझौते के तहत शिवकुमार ढाई साल बाद मुख्यमंत्री बनेंगे, लेकिन पार्टी ने आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि नहीं की।

पुस्तक मेला

बेंगलूरु में रविवार को विधानसभा सचिवालय द्वारा विधान सौधा परिसर में आयोजित पुस्तक मेले का दौरा राज्यपाल थावरचन्द गहलोत ने किया। अपने दौरे के दौरान, थावरचंद गहलोत ने विभिन्न प्रदर्शनों का दौरा किया और कार्यक्रम में प्रतिभागियों से बातचीत की। इस अवसर पर कर्नाटक विधानसभा के अध्यक्ष यू.टी. खादर और कर्नाटक विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज एस. होर्राट्टी भी मौजूद थे, जिन्होंने राज्यपाल के साथ मिलकर पढ़ने और ज्ञान के प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई इस पहल की सराहना की।

एक पत्रकार का कैरियर हर सुबह अखबार वितरण के साथ शुरू होता है : केवी प्रभाकर

चन्नारायपटना/दक्षिण भारत। हासन जिले में मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के.वी. प्रभाकर ने कहा कि जो पत्रकार हर सुबह मुर्गे के बांग देने से पहले उठकर काम पर निकल जाते हैं, वे प्रेस क्षेत्र के तंत्रिका केंद्र की तरह होते हैं। वे राज्य समाचार पत्र वितरक संघ, हासन जिला समाचार पत्र वितरक संघ और चन्नारायपटना तालुक समाचार पत्र वितरक संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हासन जिला समाचार पत्र वितरक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि पत्र वितरक यह पत्रकारिता के तंत्रिका तंत्र की तरह है। मानव शरीर तभी कार्य कर सकता है जब तंत्रिका तंत्र मौजूद हो। इसी प्रकार, समाचार पत्र वितरक प्रेस क्षेत्र का केंद्र होते हैं। उन्होंने कहा कि पूरे देश की सड़कों पर घूमकर समाचार वितरित करने वाले वितरकों के बिना मुद्रित समाचार पत्र जीवित नहीं रह पाएंगे। सरकार इस तंत्रिका तंत्र को सक्रिय करने के लिए काम कर रही है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का हृदय मातृवत है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इस वर्ष के बजट से समाचार पत्र कर्मियों को भी लाभ मिलेगा। श्रम विभाग से पहले से ही कई लाभ उपलब्ध हैं। अब स्वास्थ्य बीमा की मांग भी पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि वितरक जितना संगठित होंगे, उनकी मांगें उतनी ही मजबूत होंगी।

कर्नाटक विधानमंडल का सत्र हंगामेदार रहने के आसार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा, दोनों के भीतर जारी अंतर्कलह के बीच सोमवार से शुरू होने वाला राज्य विधानमंडल का इस वर्ष का पहला सत्र हंगामेदार रहने के आसार हैं। सत्र के दौरान कई प्रमुख मुद्दों और विधेयकों पर चर्चा होने की उम्मीद है। पंद्रह दिवसीय सत्र सोमवार को विधान सौध में राज्य विधानमंडल की संयुक्त बैठक में राज्यपाल थावरचंद गहलोत के अभिभाषण के साथ शुरू होगा।

इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, जो वित्त विभाग भी संभालते हैं, सात मार्च को बजट पेश करेंगे। 2025-26 का बजट, कुल चार लाख करोड़ रुपये के होने की उम्मीद है, जो चालू वित्त वर्ष के 3.71 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यह सत्र सत्तारूढ़ कांग्रेस में ''बारी-बारी'' से मुख्यमंत्री पद संभालने को लेकर जारी उन अटकलों के बीच हो रहा है, जहां उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार को मुख्यमंत्री पद के लिए एक प्रमुख आकांक्षी के रूप में देखा जा रहा है। वहीं मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या का समर्थन करने वाले लोग इस बात पर जोर दे रहे हैं कि मौजूदा मुख्यमंत्री ही पद पर बने रहें। विपक्षी भाजपा के भीतर भी अंतर्कलह बढ़ता जा रहा है और पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा को पद से हटाने की मांग की जा रही है।

अंतर्कलह के बावजूद, भाजपा ने अपने गठबंधन सहयोगी जनता दल (सेक्युलर) के साथ मिलकर सत्र के दौरान कई प्रमुख मुद्दों पर सरकार को घेरने का फैसला किया है। विपक्ष महंगाई का मुद्दा उठाने के साथ ही कर्नाटक में राज्य सरकार संचालित पथ परिवहन निगम की बसों और बेंगलूरु मेट्रो के किराये में हाल ही में की गई बढ़ोतरी को लेकर सरकार पर निशाना साधने की तैयारी में है। इसके अलावा, दूध की कीमतों और पानी के शुल्क में प्रस्तावित वृद्धि का मुद्दा भी विधानसभा में उठ सकता है।

मंगलूरु में बंटवाल के दिगांथ गुमशुदगी मामले में नागरिकों का विशाल विरोध प्रदर्शन

बंटवाल। मंगलूरु के बंटवाल इलाके से पांच दिनों से लापता 19 वर्षीय छात्र दिगांथ का पता लगाने में पुलिस की विफलता के विरोध में शनिवार को फरंगीपेट जंक्शन पर हजारों की संख्या में आम नागरिकों ने विरोध प्रदर्शन किया। दिगांथ पीयूसी (प्री-यूनिवर्सिटी कोर्स) का छात्र था। छात्र के परिवार ने बताया कि वह 25 फरवरी को यह कहकर घर से निकला था कि मंदिर जा रहा है लेकिन उसके बाद से वह घर वापस नहीं लौटा जिसकी सूचना पुलिस को दी गयी लेकिन अभी इस मामले में पुलिस को कोई सुराग नहीं लग सका है।

दक्षिण कन्नड़ के भाजपा सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने पुलिस विभाग से लापता लड़के का जल्द से जल्द पता लगाने का अनुरोध किया है। आज के विरोध प्रदर्शन में मंगलूरु उत्तर के विधायक डा. भरत शेट्टी, एमएलसी किशोर कुमार, जिला भाजपा अध्यक्ष सतीश कुम्पाला, बेल्थांगडी विधायक हरीश पूंजा और अन्य ने भी भाग लिया और पुलिस को दिगांथ का पता लगाने में विफल रहने पर गंभीर परिणाम की चेतावनी दी।

मुलाकात

उडुप्पी में रविवार को केपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष विनयकुमार सोरके के आवास पर उनसे मुलाकात करते हुए उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार।

कोप्पल में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए केन्द्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी।

हानिकारक उद्योग न लगाएं : एचडी कुमारस्वामी का राज्य सरकार को संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने रविवार को कहा कि उन्होंने राज्य सरकार से कहा है कि पर्यावरण और आम लोगों के लिए हानिकारक औद्योगिक इकाइयां स्थापित करना मुफ्त नहीं है। एक निजी कार्यक्रम के लिए शहर आए मंत्री ने मीडिया से बात की।

कोप्पल शहर में बलदोटा समूह की प्रस्तावित स्टील फैक्ट्री के विरोध और श्री गवी मठ के श्री गविसिद्धेश्वर स्वामीजी के रुख के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, राज्य सरकार और एक स्थानीय कंपनी के बीच समझौता हुआ है। यह कोई केंद्रीय परियोजना नहीं है। इस समझौते का व्यापक विरोध हुआ है। गविसिद्धेश्वर स्वामीजी ने इसका विरोध किया है। पर्यावरण और लोगों को नुकसान पहुंचाने वाली इकाइयां स्थापित नहीं की जानी चाहिए। मैंने राज्य सरकार को यह स्पष्ट रूप से कहा है। हमारी पार्टी भी कोप्पल में औद्योगिक इकाई की स्थापना के विरोध से सहमत है। राज्य सरकार को कोप्पल के लोगों और स्वामीजी के साथ बैठक करनी चाहिए और इस मुद्दे पर आगे बढ़ना चाहिए।

कुमारस्वामी ने कहा कि राज्य सरकार ने गारंटी योजनाओं की बात करते हुए केंद्र सरकार की आलोचना करने में डेढ़ साल बर्बाद कर दिया है। इस सरकार से कोई बड़ी उम्मीदें नहीं हैं। राज्य सरकार के खजाने में पैसा है। लेकिन व्यापक दुरुपयोग के कारण विकास कार्यों के लिए कोई धनराशि उपलब्ध नहीं है। कर्नाटक कल्याण विभाग के लिए 5000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे। इसमें से एक भी नया पैसा जारी नहीं किया गया। उन्होंने ठेकेदारों से अधिक कमीशन वसूलने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की।

जब उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के मेकेदातु परियोजना और चित्रा नगरी परियोजनाओं पर बयानों का उल्लेख किया गया, तो राज्य की जनता ने उनकी पार्टी को सत्ता सौंप दी। उन्हें लोगों की इच्छा के अनुसार काम करने दें। उन्होंने मज़ाक में कहा कि ऐसे विशेषज्ञ हैं जो नट-बोल्ट की मरम्मत कर सकते हैं। यह शिवकुमार का काम नहीं है। भाजपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा के इस बयान के बारे में कि अक्टूबर तक राज्य सरकार में बदलाव हो जाएगा, मंत्री ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उन्होंने किस अर्थ में यह बयान दिया।' इस अवसर पर पार्टी की राज्य कोर कमेटी के सदस्य सीवी चंद्रशेखर, पूर्व मंत्री वेंकटराव नादगौड़ा, भाजपा विधान परिषद सदस्य श्रीमती हेमलता नायक, भाजपा नेता डॉ. बसवराज कवतार उपस्थित थे।

छात्र सफलता के शिखर पर पहुंचें और समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनें : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शिक्षा ज्ञान प्राप्त करने का एक साधन है और आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्तिगत सफलता प्राप्त करने के साथ-साथ समाज की प्रगति में योगदान देना है, कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने कहा। वह बेंगलूरु में कर्नाटक आर्य वैश्य चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में भाग लेते हुए बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, हमारे विद्यार्थी अपने परिवार के साथ-साथ समाज और राष्ट्र का भविष्य हैं। यदि हम उन्हें सही संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करें तो ये विद्यार्थी भविष्य में समाज के लिए आदर्श बन सकते हैं। हमारे समाज के कई मेधावी विद्यार्थी आर्थिक कठिनाइयों के कारण अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं, ऐसे में छात्रवृत्ति उनके लिए एक सहारा बनेगी। उन्होंने कहा, भारत विकासशील देशों में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। विकसित भारत-प्रगतिशील भारत का सपना अब हकीकत बन रहा है और इस परिवर्तन में युवाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। चाहे उद्यमिता के माध्यम से, नवाचार के माध्यम से या किसी भी क्षेत्र में नेतृत्व के माध्यम से, युवा इस नए भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने कहा, छात्रवृत्ति और वित्तीय सहायता छात्रों के उज्ज्वल भविष्य में विश्वास की नींव है। छात्रों को कड़ी मेहनत करनी चाहिए, अपने सपनों को पूरा करना चाहिए और अपने परिवार, समाज और देश को गौरवान्वित करना चाहिए। आपके नैतिक मूल्य सामाजिक सद्भाव, राष्ट्रीय हितों के लिए प्रतिबद्ध होने चाहिए और लोक कल्याण के मार्ग पर चलना चाहिए। सभी वर्गों, विशेषकर गरीबों और असहायों का विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा, कर्नाटक आर्य वैश्य चैरिटेबल ट्रस्ट अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती मना रहा है और इस अवसर पर उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति वितरित करना खुशी की बात है। ऐसे कार्य प्रेरणादायी हैं। पचास वर्षों की यह यात्रा सेवा, समर्पण और सामाजिक उत्थान की एक अनमोल विरासत है। कर्नाटक आर्य वैश्य चैरिटेबल ट्रस्ट ने शिक्षा, चिकित्सा, समाज सेवा और वित्तीय सहायता के माध्यम से समाज को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह ट्रस्ट सिर्फ सहायता का माध्यम नहीं बल्कि प्रेरणा का स्रोत है, जिसने अनगिनत जीवन को आकार देने में मदद की है। कर्नाटक आर्य वैश्य चैरिटेबल ट्रस्ट ने शिक्षा के क्षेत्र में अद्भुत योगदान दिया है। उन्होंने कहा, छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि ट्रस्ट ने शिक्षा को उच्च प्राथमिकता दी है। कर्नाटक आर्य वैश्य चैरिटेबल ट्रस्ट छात्राओं के सशक्तिकरण के लिए निःशुल्क छात्रावास की सुविधा प्रदान कर रहा है।

यह खुशी की बात है कि आईएएस और सीईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों को छात्रवृत्ति के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की गई, जिससे कर्नाटक के 50 से अधिक छात्रों ने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण की है। ट्रस्ट ने कर्नाटक के 27 जिलों का प्रतिनिधित्व करने वाले 14,000 से अधिक छात्रों को 15 करोड़ रुपये वितरित किए हैं। साथ ही, हर साल 1,000 से अधिक छात्रों को 1 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की जा रही है। मैं कर्नाटक आर्य वैश्य चैरिटेबल ट्रस्ट को उनके द्वारा किए जा रहे कार्य के लिए बधाई देता हूं।

कार्यक्रम में सच्चिदानंद सरस्वती स्वामीजी, ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ. आईएस प्रसाद, दिल्ली की न्यायाधीश प्रतिभा एम. सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के. आर प्रदीप और डॉ. एसवीएस गुप्ता उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष ने ब्यावर में नाबालिग यौन शोषण मामले में एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने ब्यावर जिले के बिजयनगर थाना क्षेत्र में नाबालिग लडकियों के यौनशोषण एवं ब्लैकमेल प्रकरण की गंभीरता के आलोक में मामले की विस्तृत जांच के लिए ब्यावर जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने के निर्देश दिए हैं। देवनानी ने अधिकारियों को आरोपियों की अवैध सम्पत्ति को शीघ्र हटाने तथा आरोपियों को मिलने वाली फंडिंग की विशेष जांच करने के निर्देश दिए, ताकि अवैध गतिविधियां चलाने वालों को भी बेनकाब किया जा सके।

बिजयनगर में रविवार को विरोध रैली निकाली गई। सर्व समाज संघर्ष समिति-बिजयनगर के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को बिजयनगर ब्लैकमेल प्रकरण की जांच एवं अन्य मांगों को लेकर देवनानी से अजमेर स्थित उनके निवास पर मुलाकात की थी। समिति ने देवनानी को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया तथा गहन जांच के लिए एसआईटी गठित करने का अनुरोध किया।

समिति ने कहा कि यह पूरा मामला संगठित अपराध है तथा सुनियोजित तरीके से मासूम एवं नाबालिग लड़कियों को फंसाने का षडयंत्र रचा गया है। इस पर देवनानी ने ब्यावर जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से बात की और मामले की जांच के लिए जल्द से जल्द एसआईटी गठित करने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष ने यह भी निर्देश दिए कि आरोपियों द्वारा किए गए अवैध निर्माणों को ध्वस्त किया जाए, ताकि इस तरह के अपराधों पर रोक लग सके और कानून की पालना सुनिश्चित हो सके।

देवनानी ने ब्यावर और अजमेर पुलिस को निर्देश दिए कि वे हाईवे, शहरी क्षेत्रों और छोटी कॉलोनियों में स्थित कैफे, रेस्टोरेंट और अन्य स्थानों पर जांच जारी रखें, ताकि समय रहते इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

एक बयान के अनुसार उन्होंने अभिभावकों, स्कूल प्रशासन और शिक्षकों से किसी भी असामान्य स्थिति पर नजर रखने और किसी भी तरह की परेशान करने वाली सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस और प्रशासन को सूचित करने की अपील की।

राजस्थान के ब्यावर जिले के बिजयनगर थाना क्षेत्र में मुस्लिम आरोपियों द्वारा पांच नाबालिग हिंदू लड़कियों का कथित तौर पर यौन शोषण और ब्लैकमेल करने का मामला दर्ज किया गया है। पीड़ित लडकियों के परिजनों की ओर से प्राप्त शिकायतों पर 16 फरवरी को तीन प्राथमिकी दर्ज की गईं। पुलिस केअनुसार इस मामले में अब तक कुल दस लोगों को गिरफ्तार किया गया है और तीन नाबालिगों को हिरासत में लिया गया है।

जांच अधिकारी शेर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार किए गए दस आरोपियों में आठ मुस्लिम और दो कैफे संचालक हिंदू हैं। उन्होंने बताया कि हिरासत में लिए गए तीन नाबालिग आरोपी भी मुस्लिम हैं। इस संबंध दर्ज तीनों प्राथमिकी ब्यावर के बिजयनगर थाने में दर्ज की गई थी।

बिजयनगर पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा 2023 में ब्यावर को नया जिला बनाए जाने से पहले अजमेर जिले का हिस्सा था। नाबालिग लडकियों से यौनशोषण का मामला तब प्रकाश में आया जब एक नाबालिग लडकी के पिता के पर्स में से 2,000 रुपए गायब हो गए और लडकी के पास से एक चीनी मोबाइल फोन बरामद हुआ। घटना के बाद, आरोपियों के परिवारों और स्थानीय जामा मस्जिद को बिजयनगर नगरपालिका से अतिक्रमण नोटिस मिले और कुछ अतिक्रमण हटा दिए गए।

भजनलाल शर्मा ने केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में किया भ्रमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने भरतपुर दौरे के दूसरे दिन रविवार को सुबह केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में भ्रमण किया।

शर्मा ने उद्यान में पक्षी व्यू प्वाइंट तक जनप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के साथ पैदल भ्रमण किया। इस दौरान उद्यान में भ्रमण कर रहे देशी-विदेशी पर्यटकों ने मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर खुशी जाहिर की। शर्मा ने भी पर्यटकों से आत्मीयता से बातचीत कर केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान के संबंध में उनके अनुभव जाने।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह राष्ट्रीय उद्यान पक्षियों की प्रजाति की विविधता के लिए देश और विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है, इसलिए जिला प्रशासन यहां आने वाले पर्यटकों के लिए संचालित सभी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करे।

शर्मा ने राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी व्यू प्वाइंट पर केवलादेव शिव मंदिर में दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली और आमजन की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं जिला प्रशासन के उच्चाधिकारी मौजूद थे।

सूरत आगजनी की घटना दुखद, सरकार पीड़ितों की मदद को तैयार : मदन राठौड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुजरात के सूरत के शिवशक्ति मार्केट में हुई आगजनी की घटना पर दुख प्रकट करते हुए कहा है कि राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ है और उनकी मदद के लिए तैयार है। राठौड़ ने रविवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से कहा कि आगजनी की इस घटना से न केवल सूरत के व्यापारी बल्कि हम सभी दुखी हैं।

इस मार्केट में सर्वाधिक व्यापारी राजस्थान के चूरू, सीकर, पाली, जालोर, सिरोही, उदयपुर, भीलवाड़ा सहित विभिन्न जिलों से हैं और इस दुखद हादसे में करीबन 1500 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान व्यापारियों को हुआ है। उन्होंने कहा कि ऐसे में गुजरात सरकार, केंद्र सरकार के साथ राजस्थान सरकार भी प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है और हमारा प्रयास है कि राजस्थान सरकार से आप्रवासियों को अधिक से अधिक सहयोग प्रदान किया जाए। प्रभावित व्यापारियों के व्यापार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के लिए भी गुजरात सरकार से चर्चा की जाएगी।

राठौड़ ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी दुख की इस घड़ी में व्यापारियों के साथ खड़े हैं। शर्मा सूरत जा रहे हैं और हादसे के बाद से लगातार गुजरात सरकार के संपर्क में हैं। उन्होंने इस मामले को लेकर केंद्र सरकार से भी वार्ता की और प्रभावितों को हरसंभव सहायता मुहैया कराने के लिए प्रयास किए हैं। इस आगजनी की घटना के बाद राठौड़ ने सुरक्षा उपकरणों की जांच के लिए आमजन से आग्रह करते हुए कहा कि यह हादसा हम सभी के लिए सबक है। राज्य के भी सभी प्रतिष्ठानों, संस्थानों, विभिन्न कार्यालयों के साथ कारखानों के संचालकों को सुरक्षा उपकरणों की जांच अवश्य करनी चाहिए। हादसे के बाद उपकरण सही तरीके से नहीं चलने पर बड़ा हादसा हो जाता है, ऐसे में हमें सजगता दिखाने की आवश्यकता है और अग्नि सुरक्षा से संबंधित उपकरणों की जांच करना आवश्यक है।

राठौड़ ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत द्वारा मोबाइल वितरण को लेकर दिए गए बयान पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने कम कीमत के मोबाइल खरीदकर उनका महंगी दरों पर बिल उठाया और सरकारी खजाने को लूटने का काम किया था। इतना ही नहीं, गहलोत ने फर्जी बिल तैयार करके सरकारी धन का दुरुपयोग किया। अगर गहलोत सही कीमत पर सही माल खरीदते तो जनता को उसका लाभ मिलता, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भाजपा सरकार ऐसा काम नहीं करती। भाजपा सरकार जनहित के काम करती है।

जिस महाकुंभ में देश के करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई वहीं इंडी गठबंधन के कई नेताओं ने गलत शब्द का प्रयोग किया : सुधांशु त्रिवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी रविवार को कोटा दौरे पर रहे। कोटा रेलवे स्टेशन पहुंचने पर भाजपा के नेताओं ने राष्ट्रीय प्रवक्ता का जोरदार स्वागत किया। उसके बाद उन्होंने डकनिया रोड पर आयोजित हुए भाजपा के विचार संगम कार्यक्रम में भी भाग लिया। कार्यक्रम में पहुंचते ही भाजपा के कार्यकर्ताओं ने 'भारत माता की जय' और 'जय श्री राम' के नारे लगाए। अपने भाषण के दौरान राष्ट्रीय प्रवक्ता ने पहले शिक्षा नगरी कोटा की जमकर तारीफ की और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कार्यकाल में लिए गए एतिहासिक निर्णयों का बखान किया। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि जब से ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष बने हैं, उनकी उनके कार्यकाल में भारत की संसद में 35 ए खत्म हआ है, धारा 370 खत्म हुई है, नारी शक्ति वंदन अधिनियम आया है, साथ ही पुरानी संसद के साथ नई संसद भवन में भी प्रवेश हुआ है। भारत पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। ये इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी लोकसभा अध्यक्ष के रहत हुए इतने बडे-बडे काम भारत देश में हुआ है।

महाकुंभ को लेकर विपक्षी पाटियों द्वारा दिए गए बयान पर राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि ये हमारे देश का दुर्भाग्य है, जिस महाकुंभ में देश के करोड़ों लोगों ने आस्था की डुबकी लगाई विदेशों से कई उद्योगपति और विदेश के कई बडे नेता पहुंचे। उस महाकुंभ को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे, लालू प्रसाद यादव, ममता बैनर्जी सहित इंडी गठबंधन के कई नेताओं ने गलत शब्द का प्रयोग किया है। इससे साफ पता लगता है कि इनके मन में देश को लेकर क्या भावना पनप रही है। ये सारी चीजे एक बड़ी योजना से प्रेरित हैं, क्योंकि इंडी गठबंधन के कई सहयोगी दक्षिण भारत में बड़ी कांफ्रेंस कर हिंदू धर्म और सनातन को मिटाने की योजना बना चुके है। वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कुंभ में नहीं जाने के सवाल पर राष्ट्रीय प्रवक्ता ने दोहे की लाइन बोलते हुए कहा कि 'सकल पदारथ है जग माही, कर्महीन नर पावत नाहीं'।

राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने पहले के भारत और आज के भारत में अंतर पर कहा कि पहले विदेशों में भारत के लोगों के बारे में कहा जाता था कि यहां के लोग ज्यादा पढ़े लिखे नहीं हैं। किसी काम में माहिर नहीं है। ये लोग नई टेक्नॉलाजी कैसे समझ पाएंगे। यहां तक कि पूर्व सरकार के वित्त मंत्री पी चित्तबरंम का भी बयान था कि डिजिटल सेक्टर में भारत कैसे आगे बढ़ पाएगा। इन सभी भ्रामकों को आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूर कर दिया है। आज भारत विश्व में पहला डिजिटल ट्रासंजेक्शन देश बन गया है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं बदल सकते। जिस पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम पड़ोसी नहीं बदल सकते, लेकिन उसका हैसियत में रखना सीखा सकते हैं।

शिक्षा नगरी कोटा में कोचिंग छात्रों के सुसाइड पर भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि देश के प्रत्येक कोने से स्टूडेंटस अपना भविष्य बनाने के लिए कोटा आते हैं। छात्रों को मानसिक तनाव से उभारने के लिए और उन्हें बेहतर पढ़ाई का माहौल देने के लिए राज्य सरकार, केन्द्र सरकार और यहां का प्रशासन बेहतर प्रयास कर रहा है। सुधांशु ने छात्रों से भी अपील की है कि पढ़ाई को लेकर कभी गलत विचार मन में नहीं लाना चाहिए। जीवन बहुत बड़ा है, नए जोश के साथ आगे बढ़ना चाहिए अगर आपके लिए एक रास्ता बंद हो गया है तो कई रास्ते खुले हैं, जहां पर आप अपनी मेहनत को निखार सकते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आज की युवा पीढ़ी इस नए अमृतकाल में 22 साल बाद अपने आपको अपनी मेहनत के दम पर एक अलग ही मुकाम पर देखेगी।

राजस्थान के कई हिस्सों में बारिश-ओलावृष्टि, मुख्यमंत्री ने फसलों के नुकसान के आकलन के दिए आदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भरतपुर, धौलपुर, श्रीगंगानगर, चूरू, कोटपूतली-बहरोड़, बीकानेर, अलवर सहित कई हिस्सों में बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को भरतपुर के जिला कलक्ट्रेट सभागार में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए विभिन्न जिलाधिकारियों से ओलावृष्टि एवं इससे हुए नुकसान की विस्तृत जानकारी ली। शर्मा ने राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव को निर्देश दिए कि ओलावृष्टि से प्रभावित जिलों में खराब हुई फसल का आकलन करने के लिए शीघ्र कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने सीकर, चूरू, बीकानेर, झुंझुनूं, एवं खैरथल-तिजारा के जिलाधिकारी को भी यह कदम उठाने का निर्देश दिया ताकि प्रभावित किसानों को तुरंत मुआवजा दिया जा सके।

मौसम विभाग के अनुसार भरतपुर और धौलपुर में शनिवार शाम को बारिश के साथ ओले गिरे। वहीं, अलवर में रात को तेज हवा के साथ बारिश हुई। झुंझुनूं के खेतड़ी और अलवर के तिजारा के कई इलाकों में शनिवार सुबह तेज हवाओं के साथ ओलावृष्टि से खेतों में सफेद चादर बिछ गई। वहीं दौसा, करौली, अलवर, भरतपुर के कई इलाकों में ठंडी हवाएं चलने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई।

मौसम विभाग के अनुसार बारिश-ओलावृष्टि के कारण तापमान में दो-तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई और कुछ इलाकों में शनिवार सुबह कोहरा छाया रहा। धौलपुर , भरतपुर में शनिवार शाम को बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। सड़कों पर पानी भर गया।

अलवर शहर में तेज हवा के साथ बारिश हुई। जयपुर के मौसम विज्ञान केन्द्र के अनुसार शनिवार सुबह साढे आठ बजे तक चूरू में 28 मिलीमीटर, चूरू तहसील में 28 मिमी, झुंझुनूं के चिड़ावा में 18 मिमी, मलसीसर में 14 मिमी, भुहाना में 13 मिमी, अलवर के तिजारा में 10 मिमी, चूरू के तारानगर/रैनी में 10 मिमी, पिलानी में नौ मिमी, चूरू के राजगढ़/सादुलपुर में आठ मिमी, अलवर के कोटकासिम, टपूकड़ा में सात मिमी, चूरू के भद्र में सात मिमी, हनुमानगढ़ के डूंगरगढ़ में सात मिमी, बीकानेर में 6.6 मिमी और अन्य कई स्थानों पर एक मिमी से तीन मिमी तक बारिश दर्ज की गई।

भजनलाल शर्मा ने बांसवाड़ा के त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को अपने परिवार के साथ बांसवाड़ा के प्रसिद्ध त्रिपुरा सुंदरी मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की।

मुख्य पुजारी निकुंज मोहन पंड्या ने पुजारी गणेश शर्मा और लोकेश पंचाल के साथ मंदिर के गर्भगृह में देवी त्रिपुरा सुंदरी की मूर्ति के सामने शर्मा और उनके परिवार का अनुष्ठान संपन्न कराया। मंदिर प्रबंधक जगेश पंचाल ने बताया कि मुख्यमंत्री अपने परिवार के सदस्यों और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेताओं के साथ दर्शन के लिए त्रिपुरा सुंदरी मंदिर आए थे।

बांसवाड़ा शहर से करीब 14 किलोमीटर दूर उमराई गांव में स्थित मंदिर में मुख्यमंत्री के दौरे के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। त्रिपुरा सुंदरी मंदिर सदियों से 'शक्ति' साधकों के लिए प्रसिद्ध पूजा केंद्र रहा है। दूर-दूर से श्रद्धालु इस शक्तिपीठ पर माथा टेकने आते हैं। कई नेता भी देवी का आशीर्वाद लेने के लिए अक्सर यहां पहुंचते हैं। माना जाता है कि यह मंदिर तीसरी सदी में बनाया गया था।

किरोड़ीलाल मीणा का सरकारी बंगला निरस्तः मंत्री पद के बावजूद निजी आवास में रहने का फैसला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । राजस्थान सरकार ने कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा को आवंटित सरकारी बंगले का आवंटन निरस्त कर दिया है। उन्हें फरवरी 2024 में जयपुर की हॉस्पिटल रोड स्थित बंगला नंबर-3 आवंटित किया गया था, लेकिन उन्होंने खुद ही सामान्य प्रशासन विभाग (ऋ-उ) से इसे निरस्त करने का आग्रह किया था। गौरतलब है कि किरोड़ीलाल मीणा ने मंत्री बनने के बाद से ही सरकारी बंगले में रहने के बजाय अपने निजी आवास को प्राथमिकता दी। यही नहीं, उन्होंने सरकारी गाड़ी भी लौटा दी थी। लोकसभा चुनाव के बाद जब उन्होंने इस्तीफे की पेशकश की थी, तब से ही वह अपनी ही सरकार के खिलाफ लगातार मुखर रहे हैं।

पिछले साल सरकार ने सबसे पहले सिविल लाइंस में बंगला नंबर-14 उन्हें आवंटित किया था, लेकिन उसमें पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोंसिंह शेखावत का परिवार रह रहा था। इसके बाद हॉस्पिटल रोड पर बंगला नंबर-3 आवंटित किया गया, जो पहले पूर्व मंत्री ममता भूपेश को दिया गया था। सामान्यत: मंत्रियों को सिविल लाइंस, हॉस्पिटल रोड और गांधी नगर में सरकारी बंगले दिए जाते हैं। इनमें सिविल लाइंस के बड़े बंगले सबसे अधिक मांग में रहते हैं। लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार के बाद किरोड़ीलाल मीणा ने मंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी थी। हालांकि, उनका इस्तीफा मुख्यमंत्री ने स्वीकार नहीं किया।

उन्होंने 4 जुलाई 2024 को जयपुर में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान मीडिया को बताया कि उन्होंने 8 और 25 जून को इस्तीफा भेजा था। इस्तीफे के बाद उन्होंने सरकारी गाड़ी छोड़ दी और इसके बाद से वे लगातार सरकार की आलोचना कर रहे हैं। वे विधानसभा की कार्यवाही में भी भाग नहीं ले रहे हैं और एसआई पेपर लीक जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरते रहे हैं।

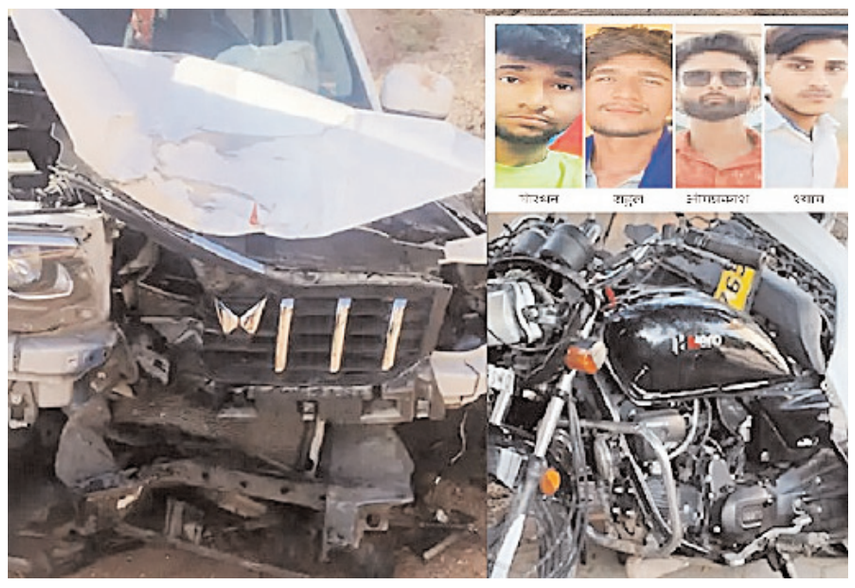

बीकानेर में भीषण सड़क हादसा : तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने ली चार युवकों की जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। बीकानेर में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने चार परिवारों की खुशियां छीन लीं। शनिवार देर रात नाल थाना इलाके में छक-11 (जैसलमेर रोड) पर तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने दो बाइकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार चारों युवकों की मौत हो गई। घटना के बाद स्कॉर्पियो ड्राइवर मौके से फरार हो गया।

नाल विकास विश्नोई के अनुसार, मृतकों की पहचान ओमप्रकाश (29) पुत्र गंगाराम, राहुल (25) पुत्र चोरूराम, कोजुराम उर्फ श्यामलाल (18) पुत्र बिरजूराम और गोरधन (30) पुत्र चोरूराम के रूप में हुई है। ये सभी किसी शादी समारोह से काम निपटाकर अपने गांव नाल लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसा इतना भयानक था कि तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक युवक को गंभीर हालत में बीकानेर के झइच अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि स्कॉर्पियो और दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं, यहां तक कि स्कॉर्पियो के पहिए तक निकल गए। दुर्घटना की खबर मिलते ही मृतकों के परिजन अस्पताल पहुंचे, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल था। रविवार दोपहर चारों का अंतिम संस्कार नाल गांव में किया गया। वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम थीं। हादसे के बाद खाजूवाला विधायक विश्वनाथ मेघवाल भी झइच अस्पताल पहुंचे और पीड़ित परिवारों को सांत्वना दी। पुलिस ने स्कॉर्पियो ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है और इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

भाजपा और अन्य 'जातिवादी पार्टियों' को सिर्फ बसपा ही हरा सकती है : मायावती

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) को 'एक ही सिक्के के दो पहलू' करार देते हुए रविवार को कहा कि भाजपा और अन्य 'जातिवादी पार्टियों' को सिर्फ बसपा ही पराजित कर सकती है।

मायावती ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश सहित पार्टी के विभिन्न पदाधिकारियों की बैठक में विभिन्न स्तर पर पार्टी संगठन के कार्यकलापों व तैयारियों, कैडर के आधार पर जनाधार को सर्वसमाज में बढ़ाने के अलावा पार्टी को हर स्तर पर मजबूत बनाने के लिए दिए गए पिछले दिशा-निर्देशों की राज्यवार गहन समीक्षा की। उन्होंने हाल ही में उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में बसपा के मैदान में नहीं उतरने बावजूद हुई सपा की पराजय का जिक्र करते हुए कहा, ''अब इसके लिए सपा किसको जिम्मेदार ठहराएगी क्योंकि पिछले उपचनुाव में पार्टी की हार के लिए सपा ने बसपा को जिम्मेदार ठहराने का मिथ्या प्रचार किया था।'' मायावती ने कहा, ''कुल मिलाकर, सपा और भाजपा एक ही सिक्के के दो पहलू हैं और भाजपा व अन्य जातिवादी पार्टियों को केवल अम्बेडकरवादी नीति व सिद्धान्त वाली बसपा ही पराजित कर सकती है। यह बात पूरे देश के सर्वसमाज के लोगों को जरूर समझना चाहिये।'' उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में ख़ासकर 'बहुजन समाज' के करोड़ों लोगों के समुचित एवं समग्र विकास के बिना यूपी ही नहीं बल्कि देश भी सही से तरक्की नहीं कर सकता है। इसीलिए सरकार को राजनीतिक, साम्प्रदायिक द्वेष व पक्षपात आदि से ऊपर उठकर पूरे संवैधानिक दायित्व के साथ जनहित व जनकल्याण के लिए कार्य करना होगा।

मायावती ने अपने 'उत्तराधिकारी' आकाश आनंद को किया सभी जिम्मेदारियों से मुक्त

लखनऊ/भाषा। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख मायावती ने अपने 'उत्तराधिकारी', पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक और भतीजे आकाश आनंद को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया है। इससे पहले बसपा ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ को निष्कासित कर दिया था।

मायावती ने यहां राजधानी लखनऊ में हुई बसपा की राष्ट्रीय स्तर की बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा, ''पार्टी व मूवमेंट के हित में आकाश आनंद को पार्टी की सभी जिम्मेदारियों से अलग कर दिया गया है, जिसके लिए पार्टी नहीं बल्कि पूर्ण रूप से उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ ही जिम्मेदार हैं।'' बहुजन समाज पार्टी ने सिद्धार्थ पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने आकाश आनंद के राजनीतिक करियर को भी 'खराब' कर दिया है।

वृंदावन के हिंदूवादी संगठन की योगी से मांग : होली समारोहों में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगे

मथुरा/भाषा। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक कथित हिंदूवादी संगठन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से ब्रज क्षेत्र में होली पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में मुसलमानों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग की है। धर्मरक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने रविवार को यहां जारी एक बयान में कहा, ''पिछले दिनों बरेली में देखने में आया था कि मुस्लिम समाज के लोग हमारे लोगों को धमकियां दे रहे हैं। ऐसे में धर्मरक्षा संघ ने निर्णय लिया है कि हम ब्रज क्षेत्र में मथुरा, वृंदावन, नंदगांव, बरसाना, गोकुल, दाऊजी आदि तीर्थस्थलों पर होने वाले होली समारोहों के दौरान मुस्लिम समाज के लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाएंगे।''

गौड़ ने कहा, ''सनातन समाज के लिए होली प्रेम और सौहार्द का त्योहार है। हम बिल्कुल भी नहीं चाहते कि मुस्लिम समाज का कोई भी व्यक्ति होली के बहाने रंग व गुलाल बेचने का व्यापार करे और होली की भीड़ में घुसकर हुड़दंग करने का प्रयास करे।'' संगठन के राष्ट्रीय संयोजक आचार्य बद्रीश ने कहा, ''मैं धर्मरक्षा संघ की ओर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग करता हूं कि जिस प्रकार जिहादियों और अलगाववादियों को गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गरबा नृत्य से दूर रखा गया, उसी प्रकार ब्रजमंडल के प्रेम से परिपूर्ण पर्व होली से भी उन्हें दूर रखा जाए, क्योंकि जब उन्हें रंग-गुलाल से ऐतराज है, तो उनकी यहां क्या जरूरत है।'' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा, ''यदि ये लोग (मुस्लिम समाज) हिंदू समाज को लिखित आश्वासन देते हैं, तो हमें उनके सम्मिलित होने पर कोई आपत्ति नहीं है। यदि हिंदू समाज चाहे तो ये लोग आ सकते हैं, वरना इन्हें दूर रखा जाए। सरकार इसका प्रबंध करे।''

उत्तर प्रदेश के सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ अस्पताल की व्यवस्था करें : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की भी व्यवस्था करें।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक में मुख्यमंत्री ने राज्य में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस बैठक में संबंधित विभागों के मंत्री, शासन स्तर के अधिकारी, सभी मंडलों के मंडलायुक्त, सभी जनपदों के जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त और पुलिस अधीक्षक (एसपी) मौजूद रहे।

सड़क दुर्घटनाओं के वार्षिक आंकड़ों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश में 46,052 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें कुल 34,600 लोग घायल हुए और 24 हजार से अधिक मौतें हुईं। उन्होंने कहा कि ये आंकड़े बेहद दुखद हैं और इनमें हर हाल में कमी लानी होगी।

योगी ने कहा कि सड़क सुरक्षा से जुड़े सभी विभाग आपसी समन्वय एवं सामूहिक प्रयासों के जरिये सड़क दुर्घटनाओं की घटनाओं पर अंकुश लगाएं और प्रदेश के सभी मार्गों पर 'ब्लैक स्पॉट' को चिन्हित कर उन्हें ठीक कराएं।

मुख्यमंत्री ने सड़क हादसों में घायल लोगों के इलाज के विषय में चिंता जाहिर करते हुए कहा, ''सभी एक्सप्रेस-वे के दोनों तरफ फूड प्लाजा की तरह अस्पताल की व्यवस्था करें। साथ ही सभी मंडल मुख्यालयों के अस्पतालों में ट्रामा सेंटर, एंबुलेंस और प्रशिक्षित कर्मियों की तैनाती भी सुनिश्चित की जाए।''

योगी ने कहा कि वर्ष 2024 में प्रदेश के 75 जनपदों में हुई दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा 20 जनपदों-हरदोई, मथुरा, आगरा, लखनऊ, बुलंदशहर, कानपुर नगर, प्रयागराज, सीतापुर, उन्नाव, बाराबंकी, लखीमपुर-खीरी, बरेली, अलीगढ़, गौतमबुद्धनगर, शाहजहांपुर, गोरखपुर, कुशीनगर, बदायूं, मेरठ और बिजनौर में जनहानि हुई। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़क हादसों में हुए कुल मौतों में 42 प्रतिशत इन जनपदों में दर्ज की गईं। उन्होंने मौतों को नियंत्रित करने के लिए दुर्घटना के कारकों को खोजने एवं लोगों में सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने का निर्देश दिया।

'भाजपा सरकारी संस्थाओं का निजीकरण कर नौकरियां, आरक्षण खत्म करने की साजिश रच रही'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार सरकारी संस्थाओं का निजीकरण करके नौकरियां और आरक्षण खत्म करने की साजिश रच रही है।

अखिलेश ने आरोप लगाया, पहले केंद्र की भाजपा सरकार ने कई सरकारी संस्थाओं को निजी हाथों में सौंपा। अब उसी रास्ते पर चलते हुए उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार भी निजीकरण को बढ़ावा दे रही है। सपा प्रदेश मुख्यालय से जारी एक बयान के अनुसार, अखिलेश ने दावा किया कि भाजपा सरकारें पूंजीपतियों के लिए काम करती हैं। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत निगम को निजी हाथों में देने पर अमादा है। सरकार निजीकरण की आड़ में अरबों रुपए की संपत्तियां पूंजीपतियों को देना चाहती है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार संविधान और आरक्षण विरोधी है। भाजपा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को नौकरियों और आरक्षण से वंचित करने के लिए हर दिन नये-नये षड्यंत्र रच रही है। सपा प्रमुख ने कहा, भाजपा की नीति पीडीए विरोधी है। वह पीडीए से नफरत करती है। निजीकरण से सरकारी नौकरियां खत्म हो जाती हैं।

ओडिशा सरकार 50 आदिवासी छात्रों को प्रारंभिक पायलट प्रशिक्षण प्रदान करेगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार 50 आदिवासी विद्यार्थियों को प्रारंभिक पायलट प्रशिक्षण प्रदान करेगी ताकि उन्हें व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए तैयार किया जा सके। इसमें ज्यादातर महिलाएं ही होंगी। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। ओडिशा सरकार के वाणिज्य एवं परिवहन विभाग ने प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक पेशेवर एजेंसी को नियुक्त करने के वास्ते हाल में एक निविदा जारी की है। निविदा दस्तावेज के अनुसार, सरकार चयनित निजी एजेंसी के माध्यम से कम से कम 300 आदिवासी विद्यार्थियों की पहचान करेगी और उचित जांच के माध्यम से इनमें से 50 को प्रारंभिक प्रशिक्षण देने के लिए चुना जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि चयनित 50 विद्यार्थियों में अधिकतर महिलाएं होंगी और उन्हें आठ सप्ताह तक भुवनेश्वर में कोचिंग दी जाएगी। उन्होंने कहा कि कोचिंग का उद्देश्य अभ्यर्थियों को कैडेट पायलट मूल्यांकन उत्तीर्ण करने के लिए तैयार करना है तथा उन्हें डीजीसीए द्वारा निर्धारित बुनियादी पाठ्यक्रम के लिए तैयार करना और उड़ान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का अवलोकन कराना है। प्रारंभिक प्रशिक्षण पूरा होने के बाद, 50 विद्यार्थी एयर इंडिया और इंडिगो जैसी निजी एयरलाइनों द्वारा आयोजित परीक्षा में शिरकत करेंगे। अधिकारी ने कहा कि वे फिर से अपने स्वयं के परीक्षण के माध्यम से शीर्ष 10 विद्यार्थियों की अंतिम सूची तैयार करेंगे और उन्हें पेशेवर पायलट बनाने के लिए तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करेंगे।

बिहार में कई स्थानों पर गंगा नदी का जल नहाने लायक नहीं: आर्थिक सर्वेक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में ज्यादातर जगहों पर गंगा नदी का जल नहाने लायक तक नहीं है। बिहार आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 में यह जानकारी देते हुए कहा गया है कि ऐसा प्रति इकाई गंगा जल में बैक्टीरिया की अधिक संख्या (हाई वैल्यू ऑफ बैक्टीरियल पापुलेशन) की मौजूदगी के कारण है।

अधिकारियों ने बताया कि बिहार राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (बीएसपीसीबी) हर पखवाड़े राज्य में 34 स्थानों पर गंगा के पानी की गुणवत्ता की निगरानी करता है। हाल ही में राज्य विधानसभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, गंगा के पानी में बैक्टीरिया की उच्च संख्या (कोलीफॉर्म और फीकल कोलीफॉर्म की कुल मात्रा) में मौजूदगी का संकेत मिलता है।

यह मुख्य रूप से गंगा और उसकी सहायक नदियों के किनारे बसे शहरों से सीवेज/घरेलू अपशिष्ट के गंगा जल में प्रवाहित होने के कारण है। सर्वेक्षण में बीएसपीसीबी के नवीनतम जल गुणवत्ता परीक्षण परिणामों का हवाला दिया गया है। इसमें कहा गया है, ''अन्य पैरामीटर... पीएच (अम्लता या क्षारीयता), घुलित ऑक्सीजन और जैव-रासायनिक ऑक्सीजन मांग (बीओडी) बिहार में नदी और उसकी सहायक नदियों में निर्धारित सीमा के भीतर देखी गई है, जो दर्शाता है कि पानी जलीय जीवन, वन्यजीवों के प्रजनन, मत्स्य पालन और सिंचाई के लिए उपयुक्त है।''

नदी के तट पर स्थित महत्वपूर्ण शहरों में बक्सर, छपरा (सारण), दिघवारा, सोनपुर, मनेर, दानापुर, पटना, फतुहा, बख्तियारपुर, बाढ़, मोकामा, बेगुसराय, खगड़िया, लखीसराय, मनिहारी, मुंगेर, जमालपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर और कहलगांव शामिल हैं।

रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए बीएसपीसीबी के अध्यक्ष डी के शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि गंगा नदी में बैक्टीरिया (जीवाणुओं) की अधिक संख्या चिंता का विषय है।

झारखंड में माओवादी संगठन का क्षेत्रीय कमांडर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चतरा (झारखंड)/भाषा। जिले में एक प्रतिबंधित माओवादी संगठन के स्वयंभू क्षेत्रीय कमांडर को गिरफ्तार किया गया है जिस पर 18 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति समिति (टीएसपीसी) से जुड़े माओवादी के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया गया। पुलिस अधीक्षक विकास पांडेय ने पत्रकारों से कहा, ''शनिवार को हंटरगंज क्षेत्र में पुट्सगिया पुल के पास वाहन जांच अभियान के दौरान उसे और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार किया गया।''

पांडेय ने बताया कि झारखंड सरकार ने माओवादी के बारे में सूचना देने पर 15 लाख रुपए और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने तीन लाख रुपए का इनाम घोषित किया था।

उन्होंने कहा कि वह माओवादी गतिविधियों से संबंधित 75 से अधिक मामलों में वांछित था। अधिकारी ने कहा, ''अमेरिका निर्मित राइफल समेत हथियार और कारतूस भी बरामद किए गए।'' मामले की जांच की जा रही है।

महाकुंभ में बिछड़े 54,000 से अधिक लोग अपने परिजनों से मिले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले के दौरान 45 दिनों तक उमड़े श्रद्धालुओं के जनसैलाब के बीच अपनों से बिछड़े कुल 54,375 लोगों को उनके परिजनों से मिलाया गया।

सरकार की ओर से जारी बयान के मुताबिक, ''महाकुंभ मेले के दौरान देश के कोने-कोने से और विदेश से आए 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। इस दौरान, अपने परिवार से बिछड़े 54,375 लोगों का पुनर्मिलन कराया गया। बिछड़ने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक थी।'' बयान के अनुसार, ''इस बार महाकुंभ में भूले-भटके लोगों को शीघ्रता से उनके परिवार से मिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की स्थापना की थी। महाकुंभ में इन केंद्रों के माध्यम से 35,000 से अधिक श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य किया गया।'' बयान में कहा गया है कि अमृत स्नान पर्व मकर संक्रांति के दौरान लापता 598 श्रद्धालुओं, मौनी अमावस्या के दौरान लापता 8,725 श्रद्धालुओं और बसंत पंचमी के दौरान लापता 864 श्रद्धालुओं को डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की मदद से उनके परिजनों से मिलवाया गया। इसमें बताया गया है कि अन्य स्नान पर्वों और सामान्य दिनों में खोए हुए 24,896 लोगों का भी उनके परिवारों के साथ पुनर्मिलन कराया गया और इस तरह डिजिटल खोया-पाया केंद्रों की मदद से परिजनों से मिलवाए गए भूले-भटके लोगों की संख्या 35,083 रही। बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर पूरे महाकुंभनगर में 10 डिजिटल खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए थे, जिनमें अत्याधुनिक एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) आधारित चेहरा पहचान प्रणाली, मशीन लर्निंग और बहुभाषीय समर्थन जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं की व्यवस्था की गई थी।

बिहार बजट से पहले तेजस्वी ने की पेंशन में बढ़ोतरी की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को मांग की कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन में वृद्धि की जाए और गरीब महिलाओं को 2,500 रुपए प्रति माह दिए जाएं।

बिहार में नीतीश कुमार सरकार द्वारा इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को अपना आखिरी बजट पेश किया जाना है जिससे एक दिन पहले यादव ने यह मांग की। विधानसभा में विपक्ष के नेता यादव ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि सरकार राज्य में सभी उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली की घोषणा करेगी। वित्त विभाग संभालने वाले उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सोमवार को विधानसभा में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश करेंगे। यादव ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया, ''केंद्र और राज्य की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार को बिहार के लोगों के हितों की कोई चिंता नहीं है।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि राज्य सरकार ने पिछले 20 वर्षों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन में कोई वृद्धि नहीं की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों, विधवाओं और दिव्यांगजनों को दी जाने वाली राशि को मौजूदा 400 रुपए से बढ़ाकर 1,500 रुपए प्रति माह किया जाना चाहिए, जो देश में सबसे कम है।'' उन्होंने यह भी कहा, ''हम सामाजिक सुरक्षा पेंशन में पर्याप्त वृद्धि, गरीब और वंचित वर्गों की महिलाओं को 2500 रुपए प्रति माह देने और राज्य के सभी उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की मांग करते हैं।'' यादव ने कहा कि राज्य की राजग सरकार को इन मांगों को स्वीकार करना चाहिए और अगले वित्त वर्ष के बजट में इन पहलों की घोषणा करनी चाहिए।

राजद नेता ने अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण को 50 प्रतिशत से 65 प्रतिशत करने की भी मांग की। उन्होंने कहा, ''पूर्ववर्ती महागठबंधन सरकार ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में वंचित जातियों के लिए आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत कर दिया जिससे बिहार में जाति आधारित सर्वेक्षण के आलोक में कुल आरक्षण 75 प्रतिशत हो गया।''

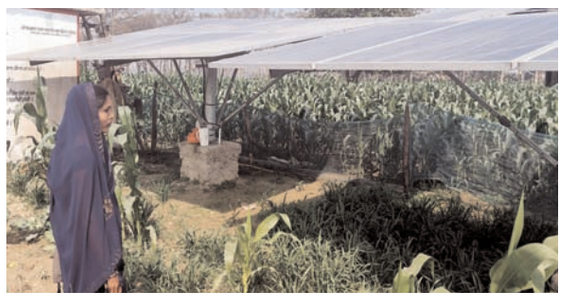

बिहार की महिला किसानों ने सौर ऊर्जा वाले पंपों को अपनाकर बदली अपनी किस्मत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरपुर/भाषा। जमीन विवाद के कारण अपने पति को खो चुकी बिहार के सूर्याही गांव की निवासी इंदु देवी के पास जमीन के छोटे से टुकड़े और कर्ज के अलावा अब कुछ नहीं बचा था लेकिन कारोबार के लिए खेतों में सौर ऊर्जा वाले पंपों के इस्तेमाल से उन्हें आर्थिक संबल मिला।

इंदु ने खेतों में सौर ऊर्जा वाले पंपों के इस्तेमाल के बारे में सुना जो आजीविका का साधन भी बन सकते हैं। उनके पास सौर ऊर्जा वाले पंप के बारे में कोई तकनीकी ज्ञान नहीं था। इसके बावजूद इंदु ने स्वयं पर विश्वास रखा और इसे अपनी आजीविका बनाया। इंदु पड़ोसी खेतों में आज पानी की आपूर्ति करके एक स्थिर आय अर्जित करती हैं। उन्होंने कहा, ''केचन स्विच चालू और बंद करना होता है लेकिन इसने मुझे संभलने का एक नया तरीका दिया।'' इस क्षेत्र में इंदु की कहानी प्रेरणादायक है लेकिन वह अकेली नहीं हैं जो ऐसा कर रही हैं। स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) से जुड़कर कई महिलाओं ने सिंचाई के लिए अपनी जमीन पर सौर ऊर्जा वाले पंपों में निवेश किया जिससे उन्हें आजीविका का नया साधन तो मिला ही, उनका जीवन भी पूरी तरह बदल गया। बिहार में दशकों से सिंचाई एक बड़ी चुनौती रही है। जलवायु परिवर्तन के बीच बेमौसम बारिश, अत्यधिक गर्मी और खस्ताहाल बिजली आपूर्ति के कारण किसानों को खेती के लिए संघर्ष करना पड़ता है।

विपक्ष को एकजुट करने की कोशिशों को लगा झटका, कांग्रेस ने असम में अकेले चुनाव लड़ने के संकेत दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले गैर-भाजपा दलों को एक साथ लाने की कोशिश में बाधा आती दिख रही है, क्योंकि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने मुख्य विपक्षी दल के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना का संकेत दिया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा ने रविवार को 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में पार्टी के अकेले चुनाव लड़ने की संभावना का संकेत दिया, जबकि एक दिन पहले विपक्षी दलों की बैठक से पार्टी सांसद प्रद्युत बोरदोलोई के अचानक चले जाने से भी भाजपा विरोधी मोर्चा बनाने के लिए आम सहमति को लेकर संदेह पैदा हो गया है। कांग्रेस, वाम दलों, रायजोर दल और असम जातीय परिषद (एजेपी) समेत विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों ने शनिवार शाम गुवाहाटी के बाहरी इलाके सोनापुर के एक रिसॉर्ट में बैठक की थी। राज्य में चुनाव के लिए गैर-भाजपा दलों को एक साझा मंच पर लाने के लिए प्रतिष्ठित नागरिकों ने यहां यह बैठक बुलाई थी। दो बार के लोकसभा सदस्य और पूर्व मंत्री बोरदोलोई बैठक से निकल गए और अपने वाहन से चले गए। बैठक छोड़कर, बीच में ही अचानक चले जाने के बारे में उन्होंने कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। बैठक में मौजूद रहे बोरा ने इसमें हुई बातचीत का खुलासा करने से इनकार कर दिया और कहा कि आयोजक निर्णय के बारे में जानकारी देंगे।

मैनपुरी में दुर्लभ नस्ल के 405 कछुए बरामद, दो तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनपुरी/भाषा। उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) की कानपुर इकाई, मैनपुरी वन विभाग और गोरखपुर वन्यजीव नियंत्रण ब्यूरो की संयुक्त टीम ने दो संदिग्ध वन्यजीव तस्करों को गिरफ्तार करते हुए उनके पास से दुर्लभ नस्ल के 405 कछुए बरामद किए हैं।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने शनिवार रात उसराहार-किशनी रोड पर एक कार को रोका और उसकी तलाशी ली, तो उसमें दुर्लभ नस्ल के 405 कछुए बरामद हुए। बयान के अनुसार, टीम ने कार में सवार दो तस्करों-अमित यादव और कुलदीप चतुर्वेदी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि उनके दो साथी-संतोष और रूप सिंह भागने में कामयाब रहे। वन विभाग के उपनिरीक्षक शिवम पाठक ने बताया कि मैनपुरी, इटावा और औरैया वन रेंज से बड़े पैमाने पर दुर्लभ कछुओं की तस्करी होने की खबरें मिली रही थीं। उन्होंने बताया कि तस्कर कछुओं को उत्तराखंड के उधम सिंह नगर ले जाते थे, जहां से उन्हें चीन भेजा जाता था। पाठक के अनुसार, ''गिरफ्तार तस्करों ने खुलासा किया है कि उन्होंने इन कछुओं को पकड़कर आठ से 10 हजार रुपए में बेचा था। फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए एसटीएफ की टीमें छापेमारी कर रही हैं।''

सुविचार

जब इंसान की जरूरत बदल जाती है तो उसका आपसे बात करने का तरीका भी बदल जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अपना हाथ जगन्नाथ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'दुनिया के कारखाने के तौर पर भारत के उभरने' के संबंध में जो बयान दिया है, वह भविष्य के लिए बेहतर संभावनाओं का संकेत है। निस्संदेह भविष्य में भारतीय युवाओं के लिए बहुत अवसर होंगे, लेकिन बड़ा सवाल है– क्या वे उनके लिए तैयार हैं? हमारा देश 'कारखाने के तौर पर' आज उभर रहा है। अगर सरकारों ने चार दशक पहले इसके लिए दृढ़ता से प्रयास किए होते तो अब हमारी अर्थव्यवस्था सबसे बड़ी होती। समस्या कहां है? क्या हमने एक सुनहरा मौका गंवा दिया? भारत के पास बहुत बड़ा जनबल है, बहुत बड़ा बाजार है। दुनियाभर की कंपनियां यहां आकर व्यापार करना चाहती हैं। इसके बावजूद यहां का नौजवान बेरोजगारी का सामना कर रहा है। जो भी विपक्ष में होता है, वह बेरोजगारी का मुद्दा उठाता है, लेकिन जब खुद सत्ता में आता है तो इसका कोई ठोस समाधान पेश नहीं कर पाता। इतना बड़ा जनबल, इतना बड़ा बाजार, फिर भी बेरोजगारी? ऐसा क्यों? भारत में रोजगार को सरकारी नौकरी के साथ इतना मजबूती से जोड़ दिया गया है कि निजी क्षेत्रों में कामकाज को रोजगार ही नहीं समझा जाता! अमेरिका की एक दिग्गज टेक कंपनी में जब भारतीय मूल के शख्स को सीईओ बनाया गया तो सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई थी। उनमें एक तस्वीर बहुत साझा की गई, जिसमें एक पत्रकार पूछता है, 'आपका बेटा अमेरिका में सीईओ बन गया। क्या कहना चाहेंगे?' तो जवाब मिलता है, 'अगर थोड़ी–सी मेहनत और कर लेता तो उसकी सरकारी नौकरी लग जाती!' यह तो एक व्यंग्य हुआ। असल स्थिति इससे ज्यादा अलग नहीं है। जब भारतीय किशोर अपने चारों ओर सिर्फ सरकारी नौकरी का इतना ज्यादा महिमा–मंडन होते देखता है तो वह उसे ही अपने जीवन का एकमात्र लक्ष्य क्यों नहीं समझेगा?

देश में सरकारी नौकरियां हैं कितनी? क्या वे सभी युवाओं को दी जा सकती हैं? गणित का एक सामान्य विद्यार्थी भी समझ सकता है कि देश की जितनी जनसंख्या है, सरकारी नौकरियां उसके अनुपात में बहुत कम हैं। ये सभी युवाओं की आकांक्षाएं पूरी नहीं कर सकतीं। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, यह बात खुलकर कोई नहीं कहता। अगर देश को सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना है, दुनिया के कारखाने के तौर पर स्थापित करना है, तो निजी क्षेत्र का उत्थान करना अनिवार्य है। साठ के दशक में एक फिल्म आई थी– 'अपना हाथ जगन्नाथ'। हर युवा को वह फिल्म एक बार जरूर देखनी चाहिए। भारत में बेरोजगारी क्यों है? भारत अन्य देशों से पीछे क्यों रह गया? इतनी शक्ति व सामर्थ्य होने के बावजूद हम दुनिया में वह मुकाम क्यों हासिल नहीं कर पाए, जिसके हकदार हैं? इन सभी सवालों के जवाब भगवान जगन्नाथ की प्रतिमा से मिलते हैं। भगवान ने अपने दिव्य हाथों की शक्ति का एक अंश वरदान के रूप में उन लोगों को दिया है, जो हाथ का हुनर जानते हैं। इसमें किसी तरह का कोई भेदभाव नहीं है। जो व्यक्ति वह हुनर सीखेगा, उस पर भगवान जगन्नाथ कृपा करेंगे। जिन देशों में किशोरों को स्कूली पढ़ाई के दौरान ही उनकी योग्यता को पहचानकर कोई हुनर सिखा दिया गया, वे आगे बढ़ गए। जापान के बारे में प्रसिद्ध है कि वहां कई स्कूली बच्चे इतने पारंगत हो गए कि वे खेल–खेल में कैलकुलेटर, घड़ी, छाता, टॉर्च, रेडियो, पंखा, बैग, जूते, फर्नीचर जैसी चीजें बना लेते हैं। वहां कई स्कूल अपने विद्यार्थियों को विभिन्न बेकरी उत्पाद बनाना सिखाते हैं। जबकि, भारत में युवा कॉलेज की डिग्री लेने के बाद अपने भविष्य के संबंध में अनिश्चितता की स्थिति में होता है। वह धरने देता है, रास्ते अवरुद्ध करता है, ट्रेनें रोकता है! इसमें उसका भी दोष नहीं है। जब उसे कोई हुनर सिखाया ही नहीं गया, किताबें ही रटाई गई हैं तो वह क्या करेगा? सरकारों की जिम्मेदारी है कि वे युवाओं को सिर्फ किताबी पढ़ाई तक सीमित न रखें। उन्हें पढ़ाई के साथ–साथ कोई हुनर जरूर सिखाएं। जब युवा अपनी पढ़ाई के दौरान कमाने लायक बन जाएगा तो देश की अर्थव्यवस्था पर भगवान जगन्नाथ की कृपा खूब बरसेगी।

ट्वीटर टॉक

संसदीय क्षेत्र कोटा स्थित निवास पर आज क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना। अधिकारियों को आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए। क्षेत्रवासियों की भागीदारी, संवाद और विश्वास से सेवा के संकल्प को नई ऊर्जा मिलती है।

–ओम बिरला

सूरत के कपड़ा बाजार में भीषण आग लगने की घटना अत्यंत पीड़ादायक है। इस हादसे में हमारे कई राजस्थानियों के व्यापारिक प्रतिष्ठान जलकर राख हो गए, जिससे उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा है। एक व्यापारी की मृत्यु हृदयविदारक है।

–दीया कुमारी

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने कम कीमत के मोबाइल खरीदकर उनका महंगी दरों पर बिल उठाया और सरकारी खजाने को लूटने का काम किया था। इतना ही नहीं, गहलोत ने फर्जी बिल तैयार कर सरकारी धन का दुरुपयोग किया।

–मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

मौन साधना का महात्म्य

महर्षि वेदव्यास गणेश जी के वाणी–संयम व मौन–व्रत को देखकर दंग थे। महर्षि ने जब तक गणेशजी को महाभारत लिपिबद्ध कराया, गणेश जी ने एक बार भी मौन भंग नहीं किया, वे केवल लेखन–कार्य में ही जुटे रहे। महाभारत लेखन पूर्ण होने पर वेदव्यास ने पूछ ही लिया, 'पार्वती पुत्र, तुम्हारे लंबे समय तक एकाग्रता में जुटे रहने का क्या रहस्य है?' गणेशजी ने उत्तर दिया, 'महर्षि, सिद्धि को प्राप्त करने का मूल आधार प्राण– शक्ति को संचित किए रखना है।

वाणी का संयम ही मन–मस्तिष्क को एकाग्र रखने का अचूक साधन है। वाणी पर संयम न कर पाने वाला व्यक्ति अनर्गल बोलकर तरह–तरह के विवादों में फंसता है। वाणी का उपयोग बहुत सोच–समझकर ही करना चाहिए। वाणी से निकले अर्थहीन शब्द विग्रह और द्वेष को जन्म देते हैं। वाणी का असंयम हमारी प्राणशक्ति को चूस लेता है। अतः मैं मौन–व्रत को सबसे बड़ी साधना मानता हूं।' महर्षि वेदव्यास गणेशजी से मौन–साधना के महत्व को पूरी तरह समझकर गद्गद हो उठे।

सामयिक

वन्यजीवों के अस्तित्व पर संकट

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

वन्य जीव हमारी धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर मनुष्य ने उनके प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है और वनस्पतियों का भी सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है। धरती पर अब वन्य जीवों और दुर्लभ वनस्पतियों की कई प्रजातियों का जीवनचक्र संकट में है। वन्य जीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्य जीव–जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवों में ऐसी वनस्पति और जीव–जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन–पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। इन्हीं वन्य जीवों, वनस्पतियों और उनके आवासों को सुरक्षा प्रदान करने को वन्य जीव संरक्षण कहा गया है तथा इनके संरक्षण के लिए लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाया जाता है। प्रतिवर्ष यह दिवस एक खास विषय के साथ मनाया जाता है और इस वर्ष वन्यजीव संरक्षण वित्त: लोगों और ग्रह में 'निवेश' थीम के साथ मनाया जा रहा है।

जीव–जंतुओं की तमाम प्रजातियां और वनस्पतियां मिलकर अत्यावश्यक पारिस्थितिकी तंत्र प्रदान करते हैं और सही मायनों में वन्य जीव हमारे मित्र है, इसीलिए उनका संरक्षण किया जाना बेहद जरूरी है। हमें भली–भांति यह समझ लेना चाहिए कि इस धरती पर जितना अधिकार हमारा है, उतना ही इस पर जन्म लेने वाले अन्य जीव–जंतुओं का भी है। लेकिन आज प्रदूषित वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव–जंतुओं और वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। वन्यजीव दिवस मनाए जाने के उद्देश्यों में विभिन्न किस्म की वनस्पतियों तथा जीव–जंतुओं पर ध्यान केन्द्रित करना, उनके संरक्षण के लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना, पूरी दुनिया को वन्यजीव अपराधों के बारे में स्मरण करवाना और मनुष्यों के कारण इनकी प्रजातियों की संख्या कम होने के विरुद्ध कारवाई करना शामिल हैं।

समस्त स्थलीय और जलीय जीवों के लिए वन्य जीवों का बने रहना अत्यावश्यक है। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव–जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। पाठक प्रदूषण 'मुक्त सांसें' पुस्तक फ्लिपकार्ट से खरीद सकते हैं। पर्यावरण के असंतुलन का ही परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में अब देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे वन्य जीव पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते वन्य जीवों के आशियाने भी लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दुनिया के जंगली जीवों और वनस्पतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व वन्यजीव दिवस' के आयोजन का निर्णय लिया गया। महासभा ने यह सुनिश्चित करने में साइट्स की महत्वपूर्ण भूमिका को भी मान्यता दी ताकि वह सुनिश्चित कर सके कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से प्रजातियों के अस्तित्व को खतरा नहीं है।

ब्रिटिश काल से ही भारत में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने और बचाने के लिए कानूनी प्रावधान किए जाते रहे हैं लेकिन चिंता की बात यह है कि उसके बावजूद वन्यजीवों की अनेक प्रजातियां पिछली एक सदी में लुप्त हो गई हैं। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की 'लिविंग प्लेनेट रिपोर्ट 2024' में कुछ ही महीने पहले चौंका देने वाला यह चिंताजनक खुलासा भी हुआ था कि 1970 से 2020 के बीच वन्यजीव आबादी में 73 प्रतिशत की विनाशकारी गिरावट दर्ज की गई, जिनमें स्तनधारी, पक्षी, उभयचर, सरीसृप, मछली इत्यादि जीव शामिल हैं। ताजे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में यह गिरावट 85 प्रतिशत रही है। हर दो साल में प्रकाशित होने वाली इस रिपोर्ट में बताया गया है कि वन्यजीवों की आबादी दुनियाभर में कैसे प्रभावित हो रही है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के अनुसार वन्य जीवों को विलुप्त होने से बचाने के लिए देश में सबसे पहले वर्ष 1872 में ब्रिटिश शासनकाल में 'वाइल्ड एलीकेंट प्रोटेक्शन एक्ट' बनाया गया था। उसके बाद वर्ष 1927 में वन्य जीवों के शिकार और वनों की अवैध कटाई को अपराध मानते हुए भारतीय वन अधिनियम' अस्तित्व में आया, जिसके तहत सजा का प्रावधान किया गया।

देश की आजादी के बाद वर्ष 1956 में 'भारतीय वन अधिनियम' पारित किया गया और 1972 में देश में वन्यजीवों को सुरक्षा प्रदान करने तथा अवैध शिकार, तस्करी और अवैध व्यापार को नियंत्रित करने के उद्देश्य से 'वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972' लागू किया गया। वर्ष 1983 में वन्य जीव संरक्षण के लिए राष्ट्रीय 'वन्य जीव योजना' शुरू की गई, जिसके तहत वन्य जीवों को इंसानी अतिक्रमण से दूर रखने और उनकी सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय पार्क और वन्य प्राणी अभयारण्य बनाए गए। जनवरी 2003 में वन्य जीव संरक्षण अधिनियम में संशोधन किया गया और अधिनियम के तहत अपराधों के लिए जुर्माना तथा सजा को अधिक कठोर बना दिया गया। बहरहाल, प्रत्येक व्यक्ति के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि वन्य जीवों का संरक्षण हम सभी की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है क्योंकि वन्य प्राणियों की विविधता से ही धरती का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए लुप्तप्रायः पौधों और जीव–जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है।

नजरिया

पंजाब को नशामुक्त बनाने के राज्य सरकार के दावे खोखले

अशोक भाटिया मुंबई

मोबाइल : 9221232130

पहले कांग्रेस 2017 में और फिर आम आदमी पार्टी 2022 में नशा मुक्ति के नाम पर राज्य में सत्तारूढ़ हुई परन्तु दोनों दलों की सरकारों के दावे धरातल पर धरे के धराए रह गए। आप पार्टी के संयोजक केजरीवाल ने कहा था कि पिछली बार 2017 के चुनाव में कांग्रेस के नेताओं ने गुटके की कसम खाई थी कि उनकी सरकार बनेगी तो एक महीने के अंदर नशा खत्म कर देंगे, नशा खत्म हुआ? बल्कि बढ़ गया। हमारा युवा या तो कनाडा चला गया या जो बच गया, वह नशे में डूब गया। आज युवा क्राइसिस में है। पांच साल के बाद अब जब दोबारा चुनाव आए हैं, तो इन्होंने मजीठिया के खिलाफ पर्चा कर दिया। एक पर्चा दाखिल करने में पांच साल लग गए। बब्बर शेर की तरह सिद्धू साहब और चन्नी साहब चिल्ला रहे हैं कि हमने पर्चा कर दिया। क्या एक पर्चा खत्म करने से गांवों में नशा खत्म हो गया, ड्रग्स खत्म हो गया। इनका मकसद नशा दूर करना नहीं है, बल्कि इनका मकसद चुनावों में बस वोट बटोरना है।केजरीवाल ने कहा था हर जिले, हल्के और गांव में नशा बेचने वाले बैठे हैं उनको कौन पकड़ेगा? पूरे पंजाब में इतना नशे का स्टॉक पड़ा है, क्या इन्होंने 1 ग्राम भी सीज किया? एक फर्जी पर्चा करके नौटंकी कर रहे हैं, बब्बर शेर बने फिर रहे हैं कि हमने पर्चा कर दिया पर्चा कर दिया। आम आदमी पार्टी की सरकार आएगी तो 6 महीने मांग रहा हूं आपसे, 6 महीने के अंदर पंजाब से नशा खत्म कर देंगे। हमारे साथ कुंवर विजय प्रताप जैसे ईमानदार और जांबाज पुलिस ऑफिसर है, जिनको करना आता है, हमको करना आता है, हमारी नीयत साफ है।

जब कोई रणनीति अपने लक्ष्यों को हासिल करने में विफल हो जाती है तो एक दूरदर्शी एवं साहसी राजनीतिक नेतृत्व को निश्चित रूप से नई रणनीतिक दृष्टिकोण का अनुसरण करना चाहिए जिससे खतरों को कम से कम किया जाए और सफलता की संभावनाएं बढ़ाई जाएं। पंजाब में नशीली दवाओं के प्रकोप की खतरनाक स्थिति का मुकाबला करने के लिए वर्तमान रणनीतियों की उल्लेखनीय कमियों को देखते हुए, राज्य के नए राजनीतिक नेतृत्व से वैसी नई रणनीतियों की उम्मीद की जा रही थी जो केवल राजनीतिक तमाशेबाजी और हड़बड़ी में सुधार के उपायों पर निर्भर न हो। बहरहाल, ऐसा भले ही प्रतीत हो रहा हो कि कैप्टन अमरिन्दर सिंह की पंजाब की नई सरकार सारे सही फैसले कर रही हो, पर राज्य में ड्रग्स की समस्या का समाधान ढूंढने की राह में कई बड़ी बाधाएं खड़ी रही।

ड्रग की तस्करी और व्यापक रूप से नशे की लत पंजाब की सबसे उल्लेखनीय सामाजिक–राजनीतिक चुनौती बन चुकी है जो कई प्रकार से पूरे देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनती जा रही है। खासकर, ऐसे संवेदनशील सीमावर्ती राज्य में इस समस्या की भयावहता को देखते हुए यह आवश्यक हो जाता है कि इसके खिलाफ एक ऐसी संपूर्ण लड़ाई छेड़ी जाए जिसमें कामयाब होने में अगर कई वर्ष भी लग जाएं तो उसे जारी रखा जाए। नशे की समस्या पिछले कई वर्षों के दौरान और बदतर होती गई है और 2017 के प्रारंभ में पंजाब में हुए विधानसभा चुनावों में यह एक बड़ा मुद्दा था। चुनाव अभियान के दौरान, कांग्रेस पार्टी के तत्कालीन मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार अमरिन्दर सिंह ने सत्ता में आने के चार सप्ताह के भीतर नशे के प्रकोप को खत्म कर देने का वायदा किया था। यह पूरी तरह एक विचित्र वायदा था; इतनी व्यापक एवं गहरी समस्या का एक महीने के भीतर समाधान एक बेहद मुश्किल काम है। बहरहाल, जैसा कि चुनाव के परिणामों ने प्रदर्शित किया, पंजाब के लोगों ने कैप्टन को इस लड़ाई को लड़ने का दायित्व सौंप किया है।

गौरतलब है कि चुनावी वायदे के बाद आज भी पंजाब के गांवों–कस्बों से लेकर बड़े शहरों में नशे का जाल तेजी से फैलता जा रहा है। युवाओं की रगों में नशे का जहर घोला जा रहा है। बड़े शहर नशे के हॉट–स्पॉट बनते जा रहे हैं। बठिंडा, पटियाला, होशियारपुर, अमृतसर और लुधियाना जैसे बड़े शहरों में हालात चिंताजनक हैं। इसका असर प्रदेश की मौजूदा पीढ़ी पर ही नहीं, बल्कि आने वाली पुश्तों पर भी पड़ने लगा है। ड्रग्स के सेवन से महिलाएं बांझपन का शिकार हो रही हैं। पुरुषों पर भी इसका प्रभाव पड़ रहा है।सरकार नशे को खत्म करने के बड़े–बड़े दावे कर रही है, जबकि जमीनी हकीकत ये है कि पंजाब में औसत हर रोज एक व्यक्ति की ड्रग्स की ओवरडोज के कारण मौत हो रही है। प्रदेश की मौजूदा सरकार ने भी सत्ता संभालते ही दो साल के अंदर ड्रग्स का खात्मा करने का एलान किया था, लेकिन जो हालात आज से दो साल पहले थे, वह जस के तस बने हुए हैं। यह कहने में हर्ज नहीं कि समय के साथ प्रदेश में ड्रग्स का चलन बढ़ा है। पंजाब के बॉर्डर एरिया के गांवों व कस्बों में ही ड्रग्स की मार देखने को मिलती थी, अब बड़े शहरों में भी पुलिस की नाक के नीचे इसका चलन बढ़ता जा रहा है। इस साल एक जनवरी से लेकर 30 जून तक पुलिस ने पूरे पंजाब में ड्रग्स के कुल 4,677 केस दर्ज किए। इन मामलों में पुलिस ने कुल 6,364 आरोपियों की गिरफ्तारी की। इस सबके अलावा पुलिस ने अलग–अलग मामलों में 6 करोड़ 35 लाख 36 हजार 120 रुपये ड्रग मनी भी पकड़ी है।

अब लगातार फजीयत होने के बाद पंजाब सरकार ने ने राज्य को नशा मुक्त घोषित करने के लिए तीन महीने की समय सीमा तय की है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताया है, क्योंकि राज्य सरकार ने नशे के खिलाफ शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है और इस बुराई के खिलाफ अभियान शुरू कर रही है।श्री मान ने यह भी कहा कि राज्य सरकार मादक पदार्थों से संबंधित मामलों की शीघ्र सुनवाई सुनिश्चित करने तथा दोषियों को सजा दिलाने के लिए विशेष अदालतें स्थापित करेगी। श्री मान साहब को यह भी पता होना चाहिए कि तीन माह गुजरने में कितना समय लगता है?

साल 2024 के आंकड़े ही बताते हैं कि राज्य सरकार इस मोर्चे पर कितनी विकराल स्थिति से जूझ रहा था । साल 2024 के अंत के दिनों में पुलिस महानिरीक्षक (मुख्यालय) सुखचैन सिंह गिल ने यह आंकड़े जारी किए।डॉ। सुखचैन सिंह गिल ने बताया कि पुलिस ने साल 2024 में 12255 एफआईआर दर्ज की, जिनमें से 1213 वाणिज्यिक मामलों से संबंधित हैं, और 210 बड़े माफियाओं सहित 8935 नशा तस्करों/सप्लायरों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीमों ने पूरे राज्य से 1099 किलोग्राम हेरोइन, 991 किलोग्राम अफीम, 414 क्रिंटल भुक्की और 2.94 लाख गोलियां/कैप्सूल/टीके/फार्मा ओपिओइड्स की शीशियां बरामद की हैं, साथ ही गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों से 14.73 करोड़ रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। आईजीपी के अनुसार पुलिस ने इस साल बड़े तस्करों की 335 करोड़ रुपये की 531 संपत्तियां भी जब्त की हैं।पुलिस टीमों ने ड्रोन के माध्यम से फेंकी गई 185 किलो हेरोइन, 24 पिस्तौल, एक एके–47 राइफल, एक आईईडी और 4.18 लाख रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। उन्होंने बताया कि इस साल के दौरान 513 ड्रोन देखे गए।

पंजाब भी इस नियम का कोई अपवाद नहीं है कि नशीले पदार्थों की तस्करी ही तस्करी वाले क्षेत्रों में नशे की लत फैलाने में मददगार हो जाती है। हेरोईन उत्पादन करने वाले गोल्डेन क्रेसेंट–पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं ईरान–के साथ पंजाब की समीपता इसे बेहद संवेदनशील बना देती है। पंजाब लंबे समय से तस्करी किए जाने वाले ऐसे रास्ते पर स्थित है जहां अफगानिस्तान से पड़ोसी पाकिस्तान के बरास्ते हेरोईन लाया जाता है और उसके बाद क्षेत्र के बाजारों तक इसे पहुंचाया जाता है। पंजाब जो एक समय भारत के गेहूं की टोकरी' वाले राज्य के रूप में विख्यात था, आज विभिन्न प्रकार के गैरकानूनी पदार्थों के एक अंतिम गंतव्य के रूप में उभर कर सामने आया है।

पाकिस्तान में स्थित ड्रग सिंडिकेट एवं तस्कर अफगानिस्तान से हेरोईन खरीदते हैं और फिर पंजाब के अमृतसर, तरन तारन, गुरदासपुर, फिरोजपुर एवं फाजिल्का जिलों तथा पड़ोसी राज्यों के कुछ जिलों के जरिये भारत में इसकी तस्करी करते हैं। खासकर, अमृतसर क्षेत्र अधिकांश तस्करों का पसंदीदा स्थान है। अभी हाल तक, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) या पंजाब पुलिस रोजाना पंजाब के कुछ सीमावर्ती जिलों में भारी मात्रा में अफीम की भूसी और अफीम बरामद किया करते थे। तस्करों को भारत–पाकिस्तान सीमा पर बढ़ती चौकसी के कारण अपने तरीकों में बदलाव लाना पड़ा है। इसमें सीमा के पाकिस्तानी तरफ से भारत वाले हिस्से में प्रतीक्षा कर रहे तस्करों के लिए ड्रग के पैकेट फेंकने, बिजली के तारों वाली चारदीवारी के आर–पार प्लास्टिक की खोखली पाइप का इस्तेमाल करने और नशीले पदार्थों की आपूर्ति करने के लिए छिछली नदी को पार करने जैसे तरीके शामिल है। पिछले कुछ महीनों के दौरान नशीले पदार्थों की जब्ती से भी संकेत प्राप्त होता है कि ड्रग माफिया ने जम्मू कश्मीर एवं राजस्थान जैसे अन्य सीमावर्ती राज्यों का भी इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। बहरहाल, हालात उतने आसान हैं नहीं, जितने वे नजर आते हैं।

पंजाब एवं पाकिस्तान में भी ड्रग माफिया बड़े समन्वित, संगठित एवं पेशेवर तरीके से अपने काम को अंजाम देते हैं। मौसम, भौगोलिक स्थिति, खड़ी फसलों, चंद्रमा के दिनों', परिवहन के तरीकों, जमीन पर निशान, सुरक्षा बलों की तैनाती एवं उनकी आवाजाही, निगरानी प्रौद्योगिकी की उपलब्धता और तस्करी के लिए प्रयुक्त उनके स्थानीय संपर्क और उनसे सहानुभूति रखने वाले लोग, तस्करी के लिए उपयुक्त जगह तथा समय का चुनाव जैसे कई कारकों के सम्मिश्रण का एक सटीक विश्लेषण और व्यापक अध्ययन किया जाता है। किसी भी संभावित मुठभेड़ से बचने के लिए तारीख एवं समय पर अंतिम फैसला लेते समय, तस्कर इसकी रिहर्सल भी करते हैं, खासकर, पुलिस नाका (एक अस्थायी पुलिस बंदोबस्त) के स्थान एवं सीमा सुरक्षा बल की चौकसी पद्धतियों का गहराई से अध्ययन करते हैं। चूंकि अलग अलग क्षेत्रों के हालात भिन्न होते हैं, उसी के अनुसार उनके कार्य करने का तरीका भी अलग अलग होता है जिसके कारण सीमा सुरक्षा बल एवं पुलिस के लिए तस्करी के तरीकों का पता लगाना काफी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

ड्रग माफिया सभी बिन्दुओं का एक पूरा डाटाबेस तैयार रखते हैं। वे पूरे इलाके की छानबीन कर लेते हैं और अपने काम को सफलतापूर्वक अंजाम देते हैं। उन्हें इलाके की भी पूरी जानकारी होती है जिसकी बदौलत पाकिस्तान के मोबाइल नेटवर्कों तक उनकी पहुंच भी आसानी से हो जाती है। नेटवर्क से अच्छी तरह जुड़े ड्रग माफिया सीमा पार से नशीली दवाओं की तस्करी के लिए अत्याधुनिक तरीके इस्तेमाल करते हैं, पुलिस एवं खुफिया निगरानी से दूर रहते करते हैं। भारतीय और पाकिस्तानी तस्कर बारी–बारी से भारतीय और पाकिस्तानी सिम कार्डों का इस्तेमाल करते हैं, जिसके कारण खुफिया एवं सुरक्षा एजेन्सियों के लिए उनका पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शोभा यात्रा

मुरादाबाद में इस्कॉन की श्री कृष्ण बलराम शोभा यात्रा में भाग लेते श्रद्धालु।

दुनिया की 40 प्रतिशत आबादी अपनी भाषा में शिक्षा हासिल नहीं कर पा रही : यूनेस्को

नई दिल्ली/भाषा। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, वैश्विक आबादी में 40 प्रतिशत लोगों के पास उस भाषा में शिक्षा हासिल करने की सुविधा नहीं है, जिसे वे बोलते या समझते हैं।

विभिन्न देशों में घरेलू भाषा की भूमिका के बारे में समझ बढ़ने के बावजूद, नीतिगत पहल सीमित बनी हुई है।

टीम के अनुसार इस मामले में घरेलू भाषाओं का उपयोग करने की शिक्षकों की सीमित क्षमता, घरेलू भाषाओं में पाठ्य सामग्री की अनुपलब्धता और सामुदायिक विरोध जैसी कुछ चुनौतियों में शामिल हैं।

कुछ निम्न और मध्यम आय वाले देशों में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत तक है। जीईएम अधिकारियों ने कहा कि 25 करोड़ से अधिक शिक्षार्थी इससे प्रभावित हैं। उन्होंने राष्ट्रों से बहुभाषी शिक्षा नीतियां और तौर-तरीके लागू करने की सिफारिश की, जिसका लक्ष्य सभी शिक्षार्थियों को लाभ पहुंचाने वाली शैक्षिक प्रणाली बनाना हो।

टीम ने लैंग्वेज मैटर: ग्लोबल गाइडेंस ऑन मल्टीलिंग्वल एजुकेशन नामक रिपोर्ट पेश की है, जिसमें कहा गया है कि प्रवास बढ़ने के साथ-साथ भाषाई विविधता एक वैश्विक वास्तविकता बनती जा रही है और विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि वाले शिक्षार्थियों वाली कक्षाएं अधिक आम होती जा रही हैं। 3.1 करोड़ से अधिक विस्थापित युवा शिक्षा में भाषा संबंधी बाधाओं का सामना कर रहे हैं।

यह रिपोर्ट 25वें अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर संकलित की गई है। इस मौके पर मातृभाषाओं के उपयोग को संरक्षित करने और बढ़ावा देने के लिए किए गए समर्पित प्रयासों का जश्न मनाया गया।

जीईएम टीम के एक वरिष्ठ सदस्य ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आज वैश्विक स्तर पर 40 प्रतिशत लोग उस भाषा में शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे जिसे वे धाराप्रवाह बोलते और समझते हैं। कुछ निम्न व मध्यम आय वाले देशों में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत तक पहुंच जाता है।

फैशन वीक

ब्लेंडर्स प्राइड फैशन वीक टूर के दौरान डिजाइनर तरुण तहिलियानी के शो में अभिनेता टाइगर श्रॉफ और मानुषी छिल्लर।

'रेस 4' में हुई रकुल प्रीत सिंह की एंट्री

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता रमेश तौरानी ने पहले पुष्टि की थी कि अभिनेता सैफ अली खान 'रेस 4' में मुख्य भूमिका में लौटेंगे। अब, इंडिया टुडे को विशेष रूप से पता चला है कि रकुल प्रीत सिंह इस प्रत्याशित थ्रिलर फ्रैंचाइज़ में खान के साथ शामिल हो सकती हैं। हालांकि सूत्र ने पुष्टि नहीं की कि सिंह जिस प्रोजेक्ट में शामिल हुई हैं वह वास्तव में 'रेस 4' है, लेकिन यह संभावना है कि यह वही हो, क्योंकि खान और तौरानी अभी केवल इसी प्रोजेक्ट पर साथ काम कर रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के बारे में ज़्यादा जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन 'रेस' की दुनिया में सिंह का प्रवेश निश्चित रूप से इसे और भी रोमांचक बनाता है। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि सिंह कुछ ऐसा करने के लिए वाकई उत्साहित हैं जो उन्होंने पहले कभी नहीं किया है। हालाँकि उन्होंने पिछले कुछ सालों में कई बड़े बजट की फ़िल्मों में काम किया है, लेकिन 'रेस' फ्रैंचाइज़ में प्रवेश करना उनके लिए एक दिलचस्प चुनौती होने जा रही है। सूत्र ने कहा, रकुल रमेश तौरानी के बैनर तले एक रोमांचक नई परियोजना के लिए सैफ अली खान के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। 'मेरे हसबैंड की बीवी' की सफलता के बाद, वह स्मार्ट विकल्प चुन रही हैं, और यह फिल्म उनकी गति को और बढ़ाएगी। 34 वर्षीय रकुल ने अतीत में विभिन्न शैलियों में काम किया है। उन्हें रोमांटिक-कॉमेडी शैली पर मजबूत पकड़ के लिए जाना जाता है, और 'रेस 4' उनके बहुमुखी करियर को और आगे ले जाएगी। हालाँकि, निर्माताओं द्वारा अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। 'रेस' फ्रैंचाइज़ में सैफ अली खान की वापसी ने इस प्रोजेक्ट को लेकर पहले से ही काफी उत्सुकता बढ़ा दी है। अगर रकुल प्रीत सिंह इस फिल्म में शामिल होती हैं, तो स्क्रीन पर एक नई जोड़ी की उम्मीद की जा सकती है।

लोगों को सरकार से 'भीख मांगने' की आदत पड़ गई है : पटेल

राजगढ़ (मप्र)/भाषा

मध्यप्रदेश के मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा है कि लोगों को सरकार से ''भीख मांगने'' की आदत पड़ गई है और उन्होंने लोगों को देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वालों से सीख लेने की सलाह दी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री की टिप्पणी राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव जीतने के लिए मुफ्त सुविधाएं देने पर चल रही बहस के बीच आई है।

राज्य के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने शनिवार को राजगढ़ जिले के सुठालिया कस्बे में रानी अवंती बाई लोधी की प्रतिमा का अनावरण करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''जिन्होंने देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दी...उन्होंने ऐसा क्यों किया? यदि हम उनके मूल्यों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें, तो हमारा जीवन भी सफल हो जाएगा और शायद हम समाज को कुछ दे पाएंगे।''स्वतंत्रता सेनानी अवंती बाई ने 20 मार्च 1858 को ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। वह मध्यप्रदेश के रामगढ़ (अब डिंडोरी) की रानी थीं।

पटेल ने कहा, ''लोगों को समाज से लेने की आदत पड़ गई है। अब तो वे सरकार से भीख मांगने के भी आदी हो गए हैं। जब भी लोगों के बीच नेता पहुंचते हैं, तो उन्हें काफी संख्या में मांग-पत्र पकड़ा दिया जाता है। नेताओं को मंच पर माला पहनाई जाती है और फिर उन्हें मांग-पत्र थमा दिया जाता है। यह अच्छी आदत नहीं है।''

भाजपा नेता ने कहा कि हमेशा लेने के बजाय देने की मानसिकता विकसित करें। पटेल ने कहा, ''मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि अगर आप ऐसा करेंगे तो आप खुश रहेंगे और एक संस्कारवान समाज के निर्माण में योगदान देंगे।'' उन्होंने कहा कि ''भिखारियों की फौज इकट्ठा करना'' समाज को मजबूत नहीं करता, बल्कि उसे कमजोर करता है।

विद्या बालन ने एआई द्वारा बनाई गई भ्रामक सामग्री की आलोचना की

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन ने एआई द्वारा बनाई गई भ्रामक सामग्री की आलोचना की है। विद्या बालन ने उनकी समानता वाले एक वायरल वीडियो के प्रसार को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया है कि यह एआई-जनरेटेड है और उनके विचारों या काम को प्रतिबिंबित नहीं करता है। इंस्टाग्राम पर उन्होंने बयान जारी कर लोगों से साझा करने से पहले सामग्री को सत्यापित करने और भ्रामक एआई-जनित सामग्री के प्रति सचेत रहने का आग्रह किया। विद्या ने स्थिति को समझाते हुए एक वीडियो पोस्ट साझा किया और लिखा, वर्तमान में सोशल मीडिया और व्हाटसएप पर कई वीडियो प्रसारित हो रहे हैं, जिनमें मुझे दिखाया गया है। हालांकि, मैं यह स्पष्ट करना चाहती हूं कि वीडियो एआई-जनरेटेड और अप्रमाणिक हैं। इसके निर्माण या प्रसार में मेरी कोई भागीदारी नहीं है, न ही मैं किसी भी तरह से इसकी सामग्री का समर्थन करती हूं। वीडियो में किए गए किसी भी दावे का श्रेय मुझे नहीं दिया जाना चाहिए, क्योंकि यह मेरे विचारों या काम को प्रतिबिंबित नहीं करता है। मैं सभी से साझा करने से पहले जानकारी को सत्यापित करने और भ्रामक एआई-जनित सामग्री से सावधान रहने का आग्रह करती हूं।

भगवान शिव की भूमिका निभाना मेरे सफर का अभिन्न हिस्सा बन गया है : तरूण खन्ना

मुंबई/एजेन्सी

जाने-माने अभिनेता तरूण खन्ना का कहना है कि भगवान शिव की भूमिका निभाना उनके सफर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। तरूण खन्ना सोनी सब के बहुप्रतीक्षित आध्यात्मिक शो 'वीर हनुमान' के शानदार कास्ट में शामिल हो गए हैं। वे इस शो में 11वीं बार भगवान शिव की प्रतिष्ठित भूमिका निभाने जा रहे हैं। 11 मार्च से रात 7:30 बजे प्रसारित होने वाले इस पौराणिक धारावाहिक में भगवान हनुमान के जीवन की अद्भुत यात्रा को दर्शाया जाएगा,कैसे वे एक बालक से अपने दिव्य शक्तियों के रहस्योद्घाटन तक पहुंचे।

तरुण खन्ना पौराणिक किरदारों के लिए कोई नया नाम नहीं हैं। हाल ही में उन्होंने 'श्रीमद रामायण' में भी भगवान शिव की भूमिका निभाकर दर्शकों को प्रभावित किया था। इस विधा में उनकी गहरी समझ हर किरदार को जीवंत बना देती है। 'वीर हनुमान' में उनकी उपस्थिति बेहद खास है, क्योंकि हनुमान को शिव अंश (भगवान शिव के अवतार) माना जाता है।

तरुण खन्ना ने कहा भगवान शिव को जीवंत करना हमेशा मेरे लिए सम्मान की बात रही है, लेकिन 'वीर हनुमान' वास्तव में मेरे लिए खास है। इस शो में शिव और हनुमान के बीच के गहरे संबंध को खोजने और प्रस्तुत करने का अवसर मिला है, जो इसे और भी शक्तिशाली और भावनात्मक रूप से गहरा बनाता है। मुझे पूरा विश्वास है कि दर्शक इस दिव्य ऊर्जा को महसूस करेंगे और इसे आध्यात्मिक रूप से आत्मसात कर पाएंगे।

सामूहिक विवाह

प्रयागराज में विशेष रूप से विकलांग लोगों के लिए सामूहिक विवाह समारोह के दौरान नवविवाहित दिव्यांग दूल्हे के साथ परिवार के सदस्य।

मोहम्मद यूनुस को बंगलादेश में गतिरोध दूर करने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है : अमर्त्य सेन

शांतिनिकेतन (प.बंगाल)/भाषा

बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने कहा कि उनके मित्र और पड़ोसी देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं, लेकिन गतिरोध का समाधान निकालने के लिए अभी लंबा रास्ता तय करना है।

सेन ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति ने उन्हें बहुत प्रभावित किया है और उन्हें इस बात की चिंता है कि देश इन चुनौतियों से कैसे निपटेगा।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में शांतिनिकेतन स्थित अपने आवास पर 'पीटीआई-भाषा' के साथ विशेष साक्षात्कार में सेन ने इस बात पर जोर दिया कि बांग्लादेश, जिसने जमात जैसी सांप्रदायिक ताकतों को काफी हद तक काबू में रखा है, को धर्मनिरपेक्षता के प्रति अपनी सराहनीय प्रतिबद्धता जारी रखनी चाहिए।

सेन ने कहा, ''बांग्लादेश की स्थिति ने मुझे बहुत प्रभावित किया है, क्योंकि मेरी पहचान बंगाली होने की प्रबल भावना से जुड़ी है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने ढाका में बहुत समय बिताया है और वहीं से अपनी स्कूली शिक्षा शुरू की थी। ढाका के अलावा, मैं अक्सर माणिकगंज में अपने पैतृक घर भी जाता था। अपने ननिहाल में मैं नियमित रूप से बिक्रमपुर जाता था, खासतौर पर सोनारंग। मेरे लिए इन जगहों का गहरा व्यक्तिगत महत्व है। कई अन्य लोगों की तरह, मैं भी इस बात को लेकर चिंतित हूं कि बांग्लादेश अपनी मौजूदा चुनौतियों से कैसे निपटेगा।''

सेन ने अपना ज्यादातर बचपन ढाका में बिताया है। उन्होंने अपनी औपचारिक शिक्षा सेंट ग्रेगरी स्कूल से शुरू की। बाद में वह शांतिनिकेतन चले आए और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के स्कूल में अध्ययन किया। उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश में बड़े आर्थिक और सामाजिक बदलाव हुए हैं, विशेष रूप से महिलाओं के अधिकारों को आगे बढ़ाने में, जिसमें सरकार और ग्रामीण बैंक जैसे गैर-सरकारी संगठनों का योगदान है।''

सेन ने यह भी कहा कि बांग्लादेश में समाचार पत्र ''अपेक्षाकृत स्वतंत्र'' बने हुए हैं, तथा उनमें से कई सरकार विरोधी रुख अपनाने के बावजूद फल-फूल रहे हैं। उन्होंने बांग्लादेशी सेना की इस बात के लिए प्रशंसा की कि उसने सैन्य शासन स्थापित करने का प्रयास नहीं किया, जैसा कि कई अन्य देशों में हुआ है। उन्होंने अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने के प्रति आगाह करते हुए दलील दी कि ऐसा कदम उन्हीं गलतियों को दोहराएगा जिनका आरोप अन्य पार्टियों ने अवामी सरकार पर लगाया था।

सेन ने कहा, ''मेरा मानना है कि बांग्लादेश को किसी विशेष समूह को दरकिनार करने की कोशिश करने के बजाय मिलकर काम करने की अपनी परंपरा का बेहतर उपयोग करना चाहिए। एक व्यापक दृष्टिकोण की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि स्वतंत्रता और बहुलवाद के प्रति बंगाली प्रतिबद्धता बनी रहेगी।

फिल्म 'नादानियां' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर की रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'नादानियां' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म नादानियां के जरिए सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रहे हैं। इस फिल्म में श्रीदेवी और बोनी कपूर की बेटी खुशी कपूर भी मुख्य भूमिका में है। फिल्म 'नादानियां की कहानी साउथ दिल्ली की एक खूबसूरत लड़की पिया (खुशी कपूर), जो अपनी परफेक्ट लव स्टोरी लिखने चाहती हैऔर एक मध्यमवर्गीय सफल व्यक्ति अर्जुन (इब्राहिम अली खान), जो डिबेट टीम का कप्तान बनने का सपना देखता है,के इर्द-गिर्द घूमती है. उनकी दुनिया तब टकराती है जब पिया अर्जुन को एक लेन-देन के समझौते में शामिल करती है। नेटफ्लिक्स ने फिल्म 'नादानियां'का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें इब्राहिम और खुशी की खट्टी-मीठी प्रेम कहानी की झलक देखने को मिली। ट्रेलर में दोनों की प्रेम कहानी की झलक देखने को मिली। फिल्म का ट्रेलर देखने से ऐसा लगता है कि यह एक आम बॉलीवुड रोमांस है, जिसमें एक लड़का एक लड़की से मिलता है, वे प्यार में पड़ जाते हैं, अलग हो जाते हैं और आखिरकार क्लाइमेक्स में फिर से मिल जाते हैं। फिल्म 'नादानियां'में महिमा चौधरी, सुनील शेट्टी, दीया मिर्जा और जुगल हंसराज जैसे प्रभावशाली सहायक कलाकार हैं। फिल्म का प्रीमियर सात मार्च को नेटफ्लिक्स पर होगा।

सोशल मीडिया पर ट्रेलर जारी करते हुए निर्माताओं ने लिखा, एक नया सेमेस्टर शुरू होता है,और प्यार उनकी पहली परीक्षा है...इब्राहिम अली खान और खुशी कपूर अभिनीत, नादानियां देखें, 7 मार्च को, केवल नेटफ्लिक्स पर। शौना गौतम के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण करण जौहर,अपूर्व मेहता और सोमेन मिश्रा ने धर्माटिक एंटरटेनमेंट के बैनर तले किया है।

जी सिनेमा पर होगा 'वनवास' का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

अनिल शर्मा के निर्देशन में बनीं फिल्म वनवास का वर्ल्ड टीवी प्रीमियर 08 मार्च को जी सिनेमा पर होगा। फिल्म वनवास में नाना पाटेकर, उत्कर्ष शर्मा और सिमरत कौर ने अहम भूमिका निभायी है। निर्देशक अनिल शर्मा ने कहा, मैं ऐसी फिल्म बनाना चाहता था, जो हर उम्र के लोगों को छू सके, हर पीढ़ी से जुड़े और परिवारों को एक साथ लाए। 'वनवास' प्यार, मूल्यों और उन दिल छू लेने वाली रिश्तों की बात करती है, जो हमें परिभाषित करते हैं। आज के दौर में 70-80 साल का बुजुर्ग अपने ही घर में खुद को वनवासी महसूस कर रहा है, उससे बात करने वाला कोई नहीं है, समाज की हालत ऐसी हो गई है। कई बुजुर्ग अपने ही घरों में परायापन महसूस करते हैं, यह एक कड़वी सच्चाई है, जिसे हम अक्सर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। जब मैंने 'वनवास' बनाने का फैसला किया, तब मुझे पता था कि मैं यह फिल्म सिर्फ नाना सर के साथ करूंगा। उनकी मौजूदगी इसे वो गहराई देती है, जो कोई और नहीं दे सकता। यह फिल्म मेरे उस सपने का विस्तार है, जिसमें मैं परिवार को केंद्र में रखकर कहानियां कहना चाहता हूं। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं कि दर्शक आठ मार्च, शनिवार को रात 8 बजे अपने घर पर बैठकर 'वनवास' देखें।

नाना पाटेकर ने कहा, 'वनवास' हमारे समय का प्रतिबिंब है। आज परिवारों में अनकही दूरियां, गलतफहमियां और एक-दूसरे के लिए समय की कमी जैसी कई चुनौतियां हैं। इस फिल्म का मूल भाव माता-पिता और उनकी निस्वार्थ भावनाओं को दर्शाना है, जो बिना किसी उम्मीद के हमेशा हमारे लिए कुछ न कुछ करते रहते हैं। यह प्यार और बलिदान की गहरी भावना को खूबसूरती से उकेरती है। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं, कई बातें भूलने लगते हैं यह जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। लेकिन जो हमें कभी नहीं भूलना चाहिए, वह है परिवार का महत्व। चाहे कुछ भी हो जाए, परिवार हमेशा हमारा सबसे मजबूत सहारा होता है। मुझे पूरा यकीन है कि दर्शक खुद को इस कहानी में देखेंगे और अपने परिवार व अपनों के साथ अपने रिश्तों को और गहराई से महसूस करेंगे। उत्कर्ष शर्मा ने कहा, 'वनवास' एक ऐसी फिल्म है, जो हमें अपने रिश्तों और उन बंधनों पर सोचने पर मजबूर कर देती है, जो हमें जोड़कर रखते हैं। यह परिवार के प्यार, त्याग और एकजुटता की भावना को इतनी खूबसूरती से दर्शाती है कि हर पीढ़ी इससे जुड़ाव महसूस करेगी। इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर मैं बेहद उत्साहित था, क्योंकि मैं नाना पाटेकर सर की फिल्मों का लंबे समय से प्रशंसक रहा हूं। उनकी गहराई और समर्पण ने इस फिल्म में बहुत गहरा दिल छू लेने वाली असर डाला है। उनके साथ स्क्रीन साझा करना मेरे लिए एक अविश्वसनीय सीखने का अनुभव रहा। आज जब एक्शन थ्रिलर्स का दौर है, 'वनवास' एक ताज़गी भरी और दिल को छू लेने वाली याद दिलाता है कि परिवार से बढ़कर कुछ नहीं।

सिमरत कौर ने कहा, 'वनवास' में जो मुझे सबसे अच्छा लगा, वो इसक गहराई थी और यह कि यह किस खूबसूरती से परिवार के रिश्तों और मुश्किलों और उनकी कुर्बानियों को दर्शाती है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो आपको हंसाएगी, रुलाएगी और सबसे बढ़कर, अपनों की अहमियत का एहसास कराएगी। मुझे जो बात सबसे पसंद आई, वह यह है कि यह सिर्फ बुजुर्गों की कहानी नहीं है, बल्कि युवाओं से भी बात करती है और दिखाती है कि हर पीढ़ी की अपनी भूमिका होती है, जो परिवार को एक डोर में बांधे रखने में अहम होती है। मैं बेहद उत्साहित हूं कि पूरे भारत के परिवार इसे ज़ी सिनेमा पर देखेंगे। फिल्म 'वनवास', का प्रीमियर जी सिनेमा पर आठ मार्च रात 8 होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 03-03-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के मारवाड़ी युवा मंच(मायुम) बेंगलूरु शाखा द्वारा 'शिक्षा सबके लिए के' पहल के तहत केजीएफ क्षेत्र के 50 सरकारी स्कूल के 1100 बच्चों को स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री वितरित की गई। गत 4 वर्ष में करीब 16000 से अधिक सरकारी स्कूल के बच्चों को यह बैग और पाठ्य सामग्री वितरित की जा चुकी है।

आचार्यश्री तुलसी ने समाज में बदलाव की चेतना का जागरण किया

77वां अणुव्रत स्थापना दिवस मनाया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी के सान्निध्य में अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के तत्वावधान में अणुव्रत समिति द्वारा 77वां अणुव्रत स्थापना दिवस का आयोजन किया गया। महासभा के प्रतिनिधि प्रकाश लोढ़ा ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन कर संकल्प दिलाया। समिति के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल ने स्वागत किया। अणुविभा संगठन मंत्री राजेश चावत ने आचार्यश्री तुलसी के दूर दृष्टिता एवं अणुव्रत की विशिष्टता पर विचार रखें। मुनिश्री जयेशकुमारजी अणुव्रत उद्बोधन देते हुए कहा कि हमारे जीवन में संकल्प चाहिए। धर्म को सिर्फ क्रिया कांडों में उलझाया गया, सिर्फ स्वार्थ की सिद्धि के धराधर पर टिका दिया। अणुव्रत ने धर्म को क्रिया कांडों के जंजीरों से, संप्रदाय और जाती की जंजीरों से मुक्त कर दिया। मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने कहा कि आचार्यश्री तुलसी ने सार्वभौमिक चिंतन, अंतर जागरण और भगवान महावीर के दिए संदेश से नए प्रवेश प्रस्तुत करते हुए अणुव्रत की स्थापना की। व्यक्ति व्यक्ति में बदलाव की चेतना का जागरण किया। कार्यक्रम में समिति सहमंत्री प्रवीण बोहरा, संगठनमंत्री निर्मल पोखरणा, तेरापंथ सभा गांधीनगर अध्यक्ष पारसमल भंसाली, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, यशवंतपुर सभा अध्यक्ष सुरेश बरडिया, टी दासरहल्ली सभा अध्यक्ष भगवतीलाल मांडोत, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारीगण सहित श्रद्धालुगण की अच्छी उपस्थिति रही। प्रकाश कुंडलिया एवं जितेंद्र घोषल का व्यवस्था में सहयोग किया। संचालन मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने किया। सह मंत्री बबीता चोपड़ा ने धन्यवाद दिया।

मायुम बेंगलूरु ने केजीएफ के 50सरकारी स्कूल के 1100 बच्चों को बांटे स्कूल बैग किट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मारवाड़ी युवा मंच(मायुम) बेंगलूरु शाखा द्वारा 'शिक्षा सबके लिए के' पहल के तहत केजीएफ क्षेत्र के 50 सरकारी स्कूल के 1100 बच्चों को स्कूल बैग व पाठ्य सामग्री वितरित की गई। गत 4 वर्ष में करीब 16000 से अधिक सरकारी स्कूल के बच्चों को यह बैग और पाठ्य सामग्री वितरित की जा चुकी है। इस अवसर पर मायूम बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू , पूर्व शाखा अध्यक्ष बिकास पोद्दार, प्रांतीय एवं शाखा उपाध्यक्ष गोपालकुमार, सुशील सैनी, प्रांतीय सचिव मोहित शर्मा, शाखा कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल, शाखा सदस्य पवन राजलीवाल, कन्हैया अग्रवाल, अमित मोदी, सनी जैन, विनोद गर्ग, सोनू शर्मा, गौरव शर्मा, तनुज टेकरीवाल, अशोक अग्रवाल, सुरेश माली, अमित यादुका, दीपाक्षी जाजू, शायना अग्रवाल, सविता गर्ग, उषा शर्मा, रजनी अग्रवाल और शाखा के करीब सभी सदस्य बड़ी संख्या के साथ उपस्थित रहे। उपस्थित अनेक सहयोगी व पूर्व पदाधिकरी ने बैग वितरण कार्यक्रम की सराहना और सहयोग करते की घोषणा करते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में सहयोग देने का आश्वासन दिया।

बैग वितरण से पूर्व लालबाग रोड स्थित प्राइड हुलकुल से कार रैली को हरी झंडी दिखाई गई थी। बैग वितरण कार्यक्रम के संयोजक और शाखा के पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी ने बताया कि इस शिक्षा सब के लिए इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए कर्नाटक के सभी जिले के गांव और कस्बों के सरकारी स्कूल में बैग वितरण कार्य को करने का बड़ा लक्ष्य रखा।

मायुम कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष नितेश टिबरेवाल कार्यक्रम की सराहना की। बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष स्नेह कुमार जाजू ने सभी के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उदघाटन

बेंगलूरु के बागलूर क्रॉस में स्थित द्वारिकानगर में रविवार को द्वारिकानगरा लेआउट रेसीडेन्स वेलफेयर एसोसिएशन (रजि.) के कार्यालय का उदघाटन हुआ। भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक के महासचिव व बैयटरायनपुरा क्षेत्र के नेता तिम्मेश गौड़ा ने कार्यालय का उदघाटन किया। कार्यक्रम में भाजपा बैयटरायनपुरा ओबीसी घटक के अध्यक्ष मुनिस्वामी ओडियार (आनन्द मास्टर), पूर्व नगर अध्यक्ष मुनितायप्पा, ग्रामपंचायत अध्यक्ष जीके मनोहर आदि उपस्थित थे। तिम्मेश गौड़ा के एसोसिएशन को अच्छे कार्य करने की प्रेरणा देते हुए सभी सहयोग का आश्वासन दिया। इस मौके पर एसोसिएशन के अध्यक्ष आर. आनन्द, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं एसोसिएशन के संस्थापक एम मुनियप्पा, उपाध्यक्ष जी. श्रीनिवास राव, महासचिव अमरीश, खांजाची मल्किार्जुन गौड़ा सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

उत्तमचन्द बने शूले संघ के अध्यक्ष, सुनीलकुमार मंत्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन ट्रस्ट की एक बैठक शूले स्थित श्री महावीर भवन में सम्पन्न हुई। बैठक में पूर्व अध्यक्ष देवराज चोपड़ा के नेतृत्व में आगामी तीन साल के लिए शूले संघ के अध्यक्ष के रूप में उत्तमचंद कोठारी का चयन हुआ। मीठालाल दुधोड़िया को उपाध्यक्ष, सुनीलकुमार मरलेचा को मंत्री, निहालचंद कांकरिया को कोषाध्यक्ष पद पर चयन किया गया।

शिक्षा जागरुकता के लिए टीपीएफ सेन्ट्रल के 60 प्रतिभागियों ने चलाई साइकिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) बेंगलूरु सेन्ट्रल द्वारा टीपीएफ नेशनल नेक्सजेन विंग के निर्देशानुसार साइक्लोथॉन 3.0 कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में टीपीएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत मांडोत, टीपीएफ के राष्ट्रीय संयोजक हितेश गिरिया, दक्षिण क्षेत्र के सचिव भरत भंसाली, टीपीएफ सेंट्रल के अध्यक्ष पुष्पराज चोपडा, उपाध्यक्ष राहुल डागा, जितेंद्र आंचलिया, शाखा सचिव वर्षा जैन आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन तृप्ति सुराणा नाबेरा ने किया जबकि कार्यक्रम की संयोजिका प्रेशिता जैन और आशीष कुमार नाबेरा ने व्यवस्था संभाली। टीपीएफ केंद्रीय शाखा के अध्यक्ष पुष्पराज चोपडा ने संस्था की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। प्रेशिता जैन ने प्रतिभागियों का स्वागत किया। वर्षा जैन ने धन्यवाद दिया। साइक्लोथॉन के तहत 60 प्रतिभागियों ने विधानसौधा तक 5 किलोमीटर साइकिल चलाकर वापस तेरापंथ भवन गांधीनगर पहुंचे। शिक्षा के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए विधानसौधा के सामने एक छोटा सा नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी और शिक्षा के फायदे के बारे में बताया गया। साइक्लिंग पूरी होने के बाद सभी प्रतिभागियों को साइक्लोथॉन पूर्णता प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया।

'किसी को मारकर आप कभी सुखी नहीं हो सकते'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिरियूर। स्थानीय सकल राजस्थानी समाज की ओर से आयोजित जीवदया समारोह और गौमाता पूजन के अवसर पर धारा प्रवाह बोलते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने अहिंसा, शाकाहार, जीवदया, मांस निर्यात और पशु-पक्षी हिंसा से संबंधित गहन तथ्यात्मक तार्किक बातें प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में मीठे पानी की मछलियों को मारना, आंध्रप्रदेश से मेंढकों का निर्यात करना और चीन में माओ द्वारा चिड़ियाओं को मरवाना बहुत घातक सिद्ध हुआ। ऐसे सैकड़ों सबक दुनिया को मिल चुके हैं। आगे भी ज्यों-ज्यों जीवहिंसा को बढ़ावा मिलेगा, त्यों-त्यों प्रकृति रूठेगी और आपदाओं का आगमन होता रहेगा। हम सभी को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि किसी को मारकर कोई कभी सुखी नहीं हो सकता। अपने सद्भाग्य के निर्माण के लिए सबको जीना हमें सीखना होगा। सिर्फ कुर्बानी ही नहीं, पशुबलि भी पापप्रद और गलत है। बलि से कोई दैविक शक्ति प्रसन्न होगी, यह मान्यता ही घोर अज्ञानता है। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने शाकाहार के संदर्भ में अब्दुल कलाम, विराट कोहली, अमिताभ बच्चन, जवागल श्रीनाथ, अनिल कुंबले, ज्योर्ज बर्नार्ड शॉ, अब्राहम लिंकन आदि अनेक प्रसिद्ध व्यक्तियों के उद्धरण दिए।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मानों न मानों पर व्यापक जीवहिंसा दुःख, दरिद्रता और महामारी लाती है। बर्ड फ्लू, प्लेग, कोविड आदि आज तक आई सभी महामारियां जीवहिंसा के दुष्परिणाम हैं। शाकाहार कोई महामारी नहीं लाता। शाकाहार शुध्द, सात्विक, सस्ता और श्रेष्ठ आहार है। मैं स्वीकार करता हूं कि देश के सभी लोग शाकाहारी नहीं बनेंगे, लेकिन घरेलू उपयोग के लिए जितने पशु-पक्षी मारे जा रहे हैं, उससे अधिक मांस निर्यात हो रहा है। यह तथ्य भारतीय संस्कृति और उसकी महान धर्म परंपराओं की सरासर अवहेलना है। विदेशी मुद्रा प्राप्त करने के लिए अपना भविष्य दांव पर लगाया नहीं जा सकता। मांस निर्यात देश और मानवता के साथ अपराध है। जिंदा पशुओं का निर्यात तो घोर दुर्भाग्य है। समारोह में विभिन्न जाति-वर्गों के श्रद्धालु और संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर गौमाता का पूजन कर लोगों ने गौशालाओं के सहयोगार्थ उदारतापूर्वक दान दिया।

हावेरी में मनाया गया अणुव्रत आन्दोलन स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। बेंगलूरु शहर के आरआर नगर में चातुर्मास करने आ रही साध्वीश्री पुण्ययशाजी की निश्रा में हावेरी में अणुव्रत आन्दोलन के 77 वें स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। साध्वीश्री बोधिप्रभाजी ने अणुव्रत की महत्ता व उपयोगिता को सिद्ध करते हुए आत्महत्या, भ्रूणहत्या न करने पर बल दिया एवं नैतिक जीवन जीन की प्रेरणा दी। साध्वी विनीतयशाजी ने कहा कि आवश्यकताओं का अल्पीकरण, अहं का विलय इच्छाओं का नियंत्रण, संयम, संतोष, पवित्रता, परस्परता, समता ये अणुव्रत के स्वर्ण सूत्र है। साध्वीश्री पुण्ययशाजी ने कहा कि अणुव्रत अनुशास्ता आचार्यश्री तुलसी ने मानव को मानव बनाने का आन्दोलन चलाया और इस अणुव्रत आन्दोलन के माध्यम से संयममय जीवन जीने पर बल दिया। लाखों लोगों को व्यसन मुक्त बनाया।

अणुव्रत की आत्मा संयम है। संयम से जीवन मूल्यवान बनता है इच्छाओं का संयम होने से जीवन में प्रामाणिकता एवं पवित्र आचरण बढ़ता है, अणुव्रत ही ऐसा आत्मविश्वास देता है। साध्वीश्री जी ने उपस्थित जनमेदिनी को अणुव्रत आचार संहिता के नियम बताए तथा प्रत्याख्यान भी कराए। संचालन साध्वीश्री वर्धमानयशाजी ने किया।

गौसेवा के उद्देश्य से आयोजित नंदी रथ यात्रा सम्पन्न

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के लोगों को गौ सेवा के लिए प्रेरित करने तथा गौ संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से राधा सुरभि गौ मंदिर राष्ट्रीय गौ सेवा संस्थान ट्रस्ट द्वारा पिछले 60 दिनों से गौ सेवा संकल्प गतिविधि के तहत कर्नाटक नंदी रथ यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शनिवार को शांतिनगर मैदान में आयोजित समापन समारोह में विजयनगर मारुति मेडिकल्स के गौ सेवक महेंद्र मुणोत ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया तथा उन्हें गौ रक्षा एवं गौ सेवा का कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

बीजेएस मैसूर चैप्टर में महिला शाखा का गठन, राज्य अध्यक्ष का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। भारतीय जैन संगठन(बीजेएस) मैसूर चैप्टर की साधारण सभा आयोजित हुई जिसमें अध्यक्ष राजन बागमार ने स्वागत किया एवं वर्ष 2025-26 के द्विवार्षिक कार्यकारिणी की घोषणा की। बैठक में मैसूर चैप्टर में महिला शाखा के गठन के लिए प्रस्ताव रखा गया, जो सर्वानुमति से पारित हुआ। अशोक सालेचा एवं विमल पितलिया ने महिला शाखा के बारे में अपने विचार प्रस्तुत किए। आगामी कार्यक्रमों के तहत उपाध्यक्ष अमित चौहान ने वरिष्ठ नागरिकों के लिए महानगरपालिका के साथ आयुष्यमान कार्ड बनवाने के लिए शिविर, राजेश संचेती ने विश्व जल दिवस की जानकारी दी। प्रधान सचिव दीपक बोहरा ने आगामी दिनों में जैन संत के जीवनी पर आधारित फिल्म प्रदर्शित करने की घोषणा की ।अभिषेक सिंघवी एवं हितेश शाह ने ग्रुप इन्शुरन्स के बाबत सुझाव प्रस्तुत किए।

इस मौके पर उपस्थित राज्य अध्यक्ष किशोर रुणवाल का मैसूरु चैप्टर द्वारा सम्मान किया गया। राज्य अध्यक्ष ने विभिन्न राष्ट्रीय कार्यक्रमों के तहत फाउंडेशन प्रोग्राम के अंतर्गत कार्य करने का आह्वान किया। नए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की। निवर्तमान अध्यक्ष प्रवीण लूणकर, उपाध्यक्ष कुशल पालरेचा एवं नेमीचंद बडोला, सचिव नवरतनमल पितलिया, राजेंद्र देसरला एवं सुनील पटवा ने अतिथियों का सम्मान किया। दीपक बोहरा ने धन्यवाद दिया।

ब्रह्मलीन संत माधवदास का बारहवां निर्वाण दिवस मनाया गया

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के आराध्य ब्रह्मलीन संत माधवदास महाराज की बारहवीं पुण्यतिथि स्थानीय माधव सेवा समिति के तत्वावधान में राजाजीनगर स्थित रत्न हितैषी भवन में रविवार को राजस्थान से आए विद्धवान साध्वी श्रद्धागोपाल सरस्वती दीदी की पावन निश्रा में मनाई गई। बारहवें निर्वाण दिवस पर सुबह विधि विधान पूर्वक ब्रह्मलीन संत माधवदास महाराज के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन एवं गुरुपद पूजन कर शुभारंभ हुआ। साध्वी श्रद्धागोपाल सरस्वती ने अपने प्रवचन में गाय की महिमा को बताते हुए कहा कि जैसे गौ सेवा के बिना मानवमात्र की गति नहीं, वैसे वेदों के ज्ञान के बिना मति संभव नहीं है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पुलिस अधीक्षक पुरुषोत्तम एन. ने शिरकतकर गुरुजी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। मध्यान्ह पश्चात विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ जिसमें जोधपुर के मोइनुद्दीन व मशरुम मनचला एवं पार्टी ने लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति दी। समारोह में बोलीदाताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शैलेश देवेरा ने किया। इस अवसर पर रमेश शर्मा, शैलेश दवेरा, त्रिभुवन शर्मा, उमेश शर्मा, जयंतीलाल, कमलेश शर्मा, मुकेश शर्मा, भरत, ललित, गौतम शर्मा, प्रवीण शर्मा, दिनेश शर्मा, अरुण शर्मा, प्रमोद शर्मा सहित समिति के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'इंसान को मानसिक रुप से मजबूत होना चाहिए'

बेंगलूरु। शहर के बिन्नीपेट स्थित पार्क वेस्ट जैन स्थानक में विराजित श्री विनय मुनि जी खींचन ने प्रवचन सभा में कहा कि मानसिक रूप से इंसान को मजबूत होना चाहिए। शरीर से मजबूत हो, परंतु यदि मानसिक कमजोरी है भयग्रस्त है तो वह अपनी शक्ति को प्रकट नहीं कर सकता। मानसिक कमजोरी की दवा है, अच्छा साहित्य, अच्छी सत्संग तथा वीर पुरुषों की कथाओं को सुनना चाहिए। भगवान महावीर की कथा धर्म के साथ शूरवीरता से भरी हुई है। प्रभु महावीर 12 वर्ष तक वह अकेले रह कर भी कभी भयभीत नहीं हुए। उन्होंने देवता, मनुष्य और तिर्यच तीनों प्रकार के उपसर्ग समभाव से समता भाव से सहन किया। धर्म का काम है, इंसान को मन से मजबूत बनाना, शारीरिक बल तो एक सीमा तक रहता है उसके बाद धीरे-धीरे घटता ही जाता है।

कार रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नई दिल्ली में कॉनॉट प्लेस के पास 58वीं स्टेट्समैन विंटेज और क्लासिक कार रैली में विंटेज कारों ने हिस्सा लिया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com